



सीआरपीएफ समाचार



वर्ष 67 अंक 6 जुलाई-अगस्त, 2021

राजभाषा विशेषांक



चितेश कुमार, उप कमांडेंट



उप निरीक्षक, मनजिन्दर सिंह



सिपाही, सुनील चौधरी



75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, ध्वजारोहण करते हुए।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा श्री संजय अरोड़ा, विशेष महानिदेशक को प्रत्यावर्तन के अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।



मुख्य संरक्षक:

श्री कुलदीप सिंह, भा.पु.से. महानिदेशक
संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्ष:

श्री अंशुमान यादव, भा.पु.से.
महानिरीक्षक (आसूचना)

सदस्य:

श्री सुधांशु सिंह, उप महानिरीक्षक
श्री दलीप सिंह अम्बेश, उप महानिरीक्षक
श्री राजकुमार, कमाण्डेन्ट
श्री शम्भू कुमार, कमाण्डेन्ट
श्री पाल सिंह शिवाल, कमाण्डेन्ट

मुख्य संपादक :

श्री प्रिंस भारद्वाज, सहा. कमा.
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादक :

श्री परवेज़ आलम, सहा. कमा. (रा.भा.)

संपादकीय सहायता :

जितेन्द्र कुमार (उ.नि./आशुलिपिक)
राजेश कुमार (स.उ.नि./मं.)

चित्र:

जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सी.आर.पी.एफ. बटालियन

संपादकीय कार्यालय:

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक-1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
दूरभाष: 24360649

महानिदेशक सी.आर.पी.एफ. की ओर से
मुद्रित और प्रकाशित:

एन.के. प्रिन्ट एण्ड ट्रेडर्स, 1119/A, कूचा
हरजस मल, बाजार सीता राम, दिल्ली-06
दूरभाष: 9958119220, 9899355523

आवरण चित्र:

75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर
पर शौर्य चक्र से सम्मानित जांबाज
अधिकारी एवं जवान।

इस अंक में

पृष्ठ संख्या

1. महानिदेशक का राजभाषा संदेश	02
2. राजभाषा प्रतिज्ञा	04
3. केरिपुबल ने 82 वर्षों के गौरव का उत्सव मनाया विश्वसनीयता का 83वां स्थापना दिवस	05
4. केरिपुबल 154 वीरता पदकों से सम्मानित, सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे अधिक, अब तक के सबसे अधिक	07
5. केरिपुबल ने अपनी तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए सी-डैक के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए	17
6. केरिपुबल ने चित्तूर में 110 पारिवारिक आवास उपलब्ध कराए	18
7. लक्ष्य टीकाकरण : केरिपुबल ने अपने परिवारजनों के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया	19
8. जयपुर के नायला में केरिपुबल ने 3000 पौधे रोपे	20
9. केरिपुबल के महानिदेशक ने खूँटी का दौरा किया, बुद्धेश्वर उरांव को मार गिराने वाले दल का सम्मान किया	21
10. केरिपुबल 28 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन	22
11. वृक्षारोपण : एक संकल्प 'धरती की बस यही पुकार, पेड़ लगाओ बारम्बार'	23
12. केरिपुबल अकादमी का एमडीआई गुरुग्राम के साथ समझौता	24
13. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कन्याकुमारी से राजघाट तक कुल 2850 कि.मी. की साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया	25
14. जोरहाट से राजघाट :- केरिपुबल ने 2413 कि.मी. की साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया	26
15. "घात से प्रतिघात तक" संस्मरण - चितेश कुमार, उप कमां., समूह केन्द्र, के.रि.पु.बल, राँची	27
16. सहायक कमाण्डेन्ट राजभाषा की कलम से - सुरेन्द्र पाल सिंह, सहा. कमां. (राजभाषा), महानिदेशालय, केरिपुबल	29
17. राजभाषा की पुकार - आर.के.एल.कर्ण, निरीक्षक (राजभाषा) 88 बटालियन	31
18. देश की भाषा-हिंदी - नि./हिं.अनु. के. सुन्दरसन, महानिदेशालय, केरिपुबल	33
19. हमारे स्वाभिमान का प्रतीक-हिंदी - उ.नि./मंत्रा. कृष्णा कुमार, महानिदेशालय, केरिपुबल	34
20. स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत - सउनि/मं. विवेक कुमार, महानिदेशालय, केरिपुबल	35
21. के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल - निरी./मंत्रा. सुभाष कुमार, सेक्टर कार्यालय जम्मू	37
22. स्वदेश - निरी/जीडी जया कुमारी, 100 बटा. द्रुत कार्य बल	38
23. "मेरा वतन" - सि./जीडी कमल किशोर मिश्रा, 152 बटा. केरिपुबल, असम	38
24. महानिदेशक के दौरे	39
25. महानिदेशालय के कार्यक्रम	40
26. विविध कार्यक्रम	41
27. आजादी का अमृत महोत्सव - फिट इंडिया, फ्रीडम रन 2.0	42
28. उपलब्धियाँ	43
29. प्रत्यावर्तन, सेवा निवृत्ति, पदोन्नति, स्थानान्तरण	52
30. महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र	54

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं।

विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

- मुख्य संपादक

महानिदेशक का राजभाषा संदेश

14 सितम्बर, 2021



हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज का दिन हम सभी के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि आज ही के दिन 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था।

इस पावन दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को “हिंदी दिवस” के रूप में मनाया जाता है। यह वर्ष भी हमारे लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसी वर्ष 15 अगस्त को हम आजादी के 75वें साल में प्रवेश कर चुके हैं। यदि कोई इन 75 वर्षों का मूल्यांकन करे तो यह स्वाभाविक रूप से कहा जा सकता है कि इन 75 साल में देश की स्थानीय भाषाओं और हिंदी ने सभी भारतवासियों को एक सूत्र में पिरोकर सदैव अनेकता में एकता की भावना को पुष्ट करते हुए देश को अखंड रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री महोदय ने हाल ही में संसदीय राजभाषा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा है कि आजादी के 75 वर्ष होने पर हिंदी सम्मेलनों में आजादी के आंदोलन में राजभाषा हिंदी की भूमिका भी “विषय” होना चाहिए।

हमें भली-भांति ज्ञात है कि “भाषा” मानव, समाज और देश के संगठन की अंतः शक्ति है। इसलिए अपनी भाषा के प्रति लगाव और अनुराग राष्ट्र प्रेम का ही एक रूप है। हमारा देश विविध भाषाओं, बोलियों एवं संस्कृतियों का देश है। हमारे देश की सभी बोलियाँ और भाषाएँ हमारी राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक धरोहर हैं। भारतीय सभ्यता, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन का गौरवपूर्ण इतिहास हिंदी भाषा में उपलब्ध है। हिंदी देश के सभी भाषा-भाषियों के मध्य भावों और विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है। जिस देश में नागरिक अपनी भाषा में सोचें और लिखें, विश्व उस देश को सम्मान की दृष्टि से देखता है। भारत जैसे विशाल, बहुभाषी और प्रजातान्त्रिक देश की चहुँमुखी विकास प्रक्रिया में हिंदी के साथ ही क्षेत्रीय, स्थानीय अन्य भाषाओं की भी अहम भूमिका रही है।

संविधान के अनुसार संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का आधार प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भाव है। अतः संवैधानिक व्यवस्था और भारत सरकार के दिशानिर्देशों के आलोक में, मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि केरिपुबल के प्रत्येक कार्यालय व कार्यस्थल पर हिंदी की स्वीकृति सहमति से होनी चाहिए और तभी राजभाषा को राष्ट्रीय एकता का सूत्र जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने बनाया था, उसको सफल कर पाएंगे। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि हमें अपने कार्यालयों, कार्यस्थलों पर एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए जिसमें सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक काम स्वतःप्रेरित होकर व सहज रूप से स्थानीय भाषाओं की सखी के रूप में होना चाहिए। मैं इस बात को पुनः दोहराना चाहूँगा कि राजभाषा हिंदी का विकास प्रेरणा और प्रोत्साहन से ही होगा। मुझे इस बात का बहुत ही हर्ष है कि केरिपुबल के सभी कार्यालयों में सरकारी कामकाज में अधिकांश कार्यालय टिप्पणियाँ हिंदी में लिखी जाती हैं, अधिकतर पत्राचार हिंदी में किया

जाता है और हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से यदि हिंदी में दिया जाता है तो इसका यही कारण है कि हमारे सुरक्षा बल ने हिंदी को सहज रूप से स्वीकारा है।

मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में केरिपुबल के सभी कार्यालय राजभाषा हिंदी के संवर्द्धन के लिए सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत हैं। अधिक से अधिक सरकारी कामकाज हिंदी में हो इसके लिए विभाग के प्रत्येक स्तर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूरा विश्वास है कि इसी ऊर्जा व भाव के साथ बल का प्रत्येक कार्यालय सरकारी कामकाज में यदि स्मृति विज्ञान के प्रयोग से प्रेरणा लेते हुए 12 'प्र' (प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, पुरस्कार, प्रशिक्षण, प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, पदोन्नति, प्रतिबद्धता और प्रयास) की रणनीति को लेकर हिंदी के प्रसार एवं विकास की गति को और तीव्र करते हुए आगे बढ़ते हैं तभी हम राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे।

आज की इस पावन बेला पर मैं सभी कार्यालय प्रमुखों के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार केन्द्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का उत्तरदायित्व है कि वे राजभाषा अधिनियम 1963, नियमों तथा समय-समय पर राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का समुचित रूप से अनुपालन सुनिश्चित कराएँ, इन प्रयोजनों के लिए उपयुक्त और प्रभावकारी जाँच-बिंदु बनवाएं और उपाय करें। इस अवसर पर मैं माननीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में हुई पिछली केंद्रीय हिंदी समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों का भी उल्लेख करना चाहूँगा जिसमें उन्होंने कहा था कि हमें सामाजिक और सरकारी हिंदी के अंतर को कम करना है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की भी है कि हम हिंदी को इसके सरल रूप में अपनाकर अपने सभी सरकारी कार्य हिंदी में करने को प्राथमिकता दें। हमें यह प्रण करना होगा कि हम अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे, यही संविधान का सच्चा अनुपालन होगा। इस संदर्भ में प्रसिद्ध कवि महावीर प्रसाद द्विवेदी जी का कथन हमें प्रेरित करता है कि 'आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिये भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए'।

अंत में, मैं आप सभी से यही आह्वान करता हूँ कि संघ की राजभाषा होने के कारण हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी दृढ़ता और तत्परता के साथ करें, जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन करते हैं। इन्हीं दायित्वों के निर्वहन के लिए राजभाषा विभाग द्वारा आज हिंदी दिवस के अवसर पर "राजभाषा प्रतिज्ञा" लेने का भी निर्णय लिया है। आइए! हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम सभी राजभाषा प्रतिज्ञा लें ताकि हम संविधान द्वारा दिए गए दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन कर सकें।

शुभकामनाओं सहित।



(कुलदीप सिंह) भा.पु.से.
महानिदेशक

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से; अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से; प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा- हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा ! जय हिंद !

केरिपुबल ने 82 वर्षों के गौरव का उत्सव मनाया विश्वसनीयता का 83वां स्थापना दिवस

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने 27 जुलाई 2021 को अपना 83वां स्थापना दिवस मनाया। इसी दिन वर्ष 1939 में मात्र एक

बटालियन के साथ इस बल की नीमच में स्थापना हुई थी। वर्तमान में केरिपुबल अपनी 246 बटालियनों, राष्ट्रव्यापी उपस्थिति और एक गौरवशाली इतिहास

के साथ एक अजेय बल के रूप में विकसित हुआ है जो राष्ट्र की सेवा में अद्वितीय साहस और वीरता के लिए जाता है। केरिपुबल अपनी बहुमुखी प्रतिभा, व्यावसायिकता और निर्भीक व समर्पित जांबाजों के कारण देश का सबसे भरोसेमंद बल बन गया है।

एक औपचारिक समारोह में इस महत्वपूर्ण अवसर पर, केरिपुबल के महानिदेशक श्री कुलदीप सिंह ने गुप केन्द्र, गुरुग्राम के कैम्प परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और बल के सभी जांबाजों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने निडरता से कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने जीवन को न्यौछावर कर दिया। अब तक केरिपुबल के 2235 वीरों ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया है। स्थापना दिवस पर कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों को शुभकामनाएं देते हुए, महानिदेशक महोदय ने आश्वस्त किया कि अपने गौरवशाली अतीत के साथ मार्गदर्शी प्रकाश पुंज के रूप में अपनी पूरी सामर्थ्य सहित राष्ट्र की सेवा करने के लिए यह बल प्रतिबद्ध है।



बल के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ट्वीट किया, "केरिपुबल अपने पराक्रम और व्यावसायिकता के लिए जाना जाता है। भारत की सुरक्षा प्रणाली में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय एकता को आगे बढ़ाने में उनका योगदान सराहनीय है।" मातृभूमि की रक्षा के लिए केरिपुबल के जवानों के समर्पण और प्रतिबद्धता को प्रणाम करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि यह पराक्रमी बल राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा एवं राष्ट्र की अखंडता को बनाए रखते हुए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों और नेटिज़न्स (प्रबुद्ध नागरिकों) द्वारा भी बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।

केरिपुबल के हल्लोमाजरा कैंप, चंडीगढ़ में आयोजित एक समारोह में हॉट सिंग्रस की लड़ाई के योद्धा हवलदार (सेवानिवृत्त) बलजीत सिंह का अभिनंदन किया गया। यह केरिपुबल ही था जिसे 21 अक्टूबर, 1959 को हॉट सिंग्रस (लद्दाख) में चीनियों के पहले भीषण आक्रमण के हमले का खामियाजा भुगतना पड़ा, जब चीनियों के द्वारा केरिपुबल के एक छोटे

से गश्ती दल पर घात लगाकर बड़ी संख्या में जबर्दस्त हमला किया गया। इसके फलस्वरूप होने वाली भिड़ंत में, केरिपुबल के 10 जवानों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उनकी शहादत के स्मरण में 21 अक्टूबर को पूरे देश में 'पुलिस स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

बल के योद्धाओं को प्रदान किए गए 2113 वीरता पदक उनके अद्वितीय साहस, पराक्रम और कर्तव्य के प्रति समर्पण के प्रमाण हैं। बल को एक अशोक चक्र (शांतिकाल का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार), 10 कीर्ति चक्र, 26 शौर्य चक्र एवं 201 वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदकों से सम्मानित किया जा चुका है जो इसे सर्वाधिक अलंकृत केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल बनाता है।

अपने स्थापना दिवस के अवसर पर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने यह प्रतिज्ञा दोहराई कि बल के जवान कर्तव्य के प्रति समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।



केरिपुबल 154 वीरता पदकों से सम्मानित

सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे अधिक, अब तक के सबसे अधिक

राष्ट्र की अखंडता को बनाए रखते हुए केरिपुबल के बहादुर जवानों के द्वारा प्रदर्शित किए गए अद्वितीय साहस, अनूठे धैर्य एवं विशिष्ट पराक्रम को 75वें स्वतंत्रता दिवस पर बल को 154 वीरता पदक प्रदान करके राष्ट्र के द्वारा सम्मानित किया गया है। बल को 3 शौर्य चक्र, 1 वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक और 150 वीरता के लिए पुलिस पदक मिले। यह न केवल सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच प्राप्त किए गए पदकों की सबसे बड़ी संख्या है, बल्कि एक अवसर पर केरिपुबल को मिले सबसे अधिक पदक भी हैं। बल को अपने पदकों की कुल संख्या पर गर्व है जो अब 2267 तक पहुंच गयी है। केरिपुबल को 5 विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदकों और 57 सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदकों से भी सम्मानित किया गया है।

154 वीरता पदकों में से, 108 जम्मू एवं कश्मीर में हुए अभियानों के, 39 वामपंथ प्रभावित क्षेत्रों में वीरता के कार्यों के और 7 पूर्वोत्तर में अभियानों के हैं। गणतंत्र दिवस पर इस बल को प्रदत्त किए गए 73 वीरता पदकों के साथ इस बल ने प्रतिष्ठित 4 कीर्ति चक्र एवं 3 शौर्य चक्र सहित इस वर्ष कीर्तिमान बनाते हुए कुल 227 वीरता पदक प्राप्त किए हैं। 154 पदक प्राप्तकर्ताओं में से 9 जाबाजों ने पहले एक या अधिक वीरता पदक प्राप्त किए हैं।

माओवादियों के खिलाफ 201 कोबरा के श्री चितेश कुमार, उप कमांडेण्ट, उनि/जीडी मनजिंदर सिंह और सिपाही/जीडी सुनील चौधरी द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, अनुकरणीय बहादुरी और मातृभूमि के प्रति अद्वितीय समर्पण के साथ बेहतर युद्ध कौशल हेतु शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। 26 मार्च

2019 को, छत्तीसगढ़ के सुकमा में पुलिस थाना-जगरगुण्डा के गांव-करकागुण्डा के जंगल के घने इलाके में माओवादी विरोधी अभियान में श्री चितेश कुमार, उप कमांडेण्ट के नेतृत्व में दल पर सामरिक दृष्टि से मजबूत स्थिति में बैठे माओवादियों की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी की गयी। उन्होंने तुरंत एक प्रभावी योजना बनाई, जिसे उसके बहादुर जवानों द्वारा बिना किसी त्रुटि के क्रियान्वित किया गया।

उन्होंने उनि/जीडी मनजिंदर सिंह और सिपाही/जीडी सुनील चौधरी के साथ जीवन के खतरे की एवं स्वयं की सुरक्षा की परवाह किए बिना असाधारण शौर्य और अनुकरणीय युद्ध कौशल का प्रदर्शन करके भीषण आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब दिया। अपनी वीरतापूर्ण कार्रवाई में उन्होंने पीएलजीए कैडर के 4 खतरनाक माओवादियों को मार गिराया जिन पर 8 लाख का इनाम था, इसके अलावा चार राइफलों को जब्त कर लिया। इस विशिष्ट बहादुरी हेतु उन्हें प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

23 जून 2020 को, शहीद हवलदार/जीडी काले सुनील दत्तात्रय ने जिला पुलवामा के अंतर्गत गांव-बंदजू में एक घेरा और तलाशी अभियान में आतंकवादियों के खिलाफ साहसपूर्वक लड़ते हुए कर्तव्य की बलिवेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। एक संदिग्ध घर की तलाशी के दौरान अत्यधिक हथियारों से लैस एक आतंकवादी ने भूतल की खिड़की से अचानक छलांग लगा दी एवं उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की।

प्रारंभिक हमले से निबटने के बाद, अपने जीवन के लिए प्रत्यक्ष खतरे को अनदेखा करते हुए, वह आतंकवादी की ओर दौड़े, और लक्षित गोलाबारी करके एक भयंकर जवाबी हमला शुरू किया जिसमें आतंकवादी को तुरंत मार

गिराया गया। उसी क्षण, उन पर एक अन्य आतंकवादी ने गोली चला दी, जिसका भी उनके द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया गया, जिससे वह आतंकवादी फिर से छिप गया। इस नजदीकी मुठभेड़ में, गोली लगने से उन्हें गंभीर चोटें आईं, और बाद में उन्होंने शहादत प्राप्त की। उन्होंने अपने साथी कमांडो के अनमोल जीवन को बचाया और अद्वितीय साहस, अनुकरणीय पौरुष और कर्तव्य के प्रति

अद्वितीय समर्पण का प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। बल के साहस और प्रभावशीलता में अपना विश्वास रखने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल राष्ट्र के प्रति आभार व्यक्त करता है। यह बल साहस और दृढ़ विश्वास के साथ राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

शौर्य चक्र



चितेश कुमार, उप कमांडेंट



उप निरीक्षक, मनजिन्दर सिंह



सिपाही, सुनील चौधरी

वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक



शहीद हवलदार, काले सुनील दत्तात्रय

वीरता के लिए पुलिस पदक



वीरता के लिए पुलिस पदक



वीरता के लिए पुलिस पदक



वीरता के लिए पुलिस पदक



वीरता के लिए पुलिस पदक



वीरता के लिए पुलिस पदक



विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक



एम.एस. भाटिया,
भा.पु.से., महानिरीक्षक,
प्रशासन महानिदेशालय

डा. विनय कुमार,
महानिरीक्षक (चिकित्सा)
सीएच हैदराबाद

दिनेश उनियाल,
उप महानिरीक्षक
महानिदेशालय

देवेन्द्र यादव
उप महानिरीक्षक
रेंज हीरानगर

सैंथिल नाथन के.
द्वितीय कमान अधिकारी
77 बटालियन

सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पद	अधिकारी का नाम	कार्यालय/यूनिट
1	महानिरीक्षक	महेश्वर दयाल, भा.पु.से.	कोबरा सेक्टर
2	कमांडेण्ट	अनिल कुमार ध्यानी	देहरादून सेक्टर
3	कमांडेण्ट	कृष्णकांत पाण्डेय	आईएसए माउण्ट आबू/ 75 बटा0
4	कमांडेण्ट	जी. कुमार	44 बटा0
5	कमांडेण्ट	विश्वनाथ प्रताप सिंह	195 बटा0
6	कमांडेण्ट	समीर कुमार श्रीवास्तव	पूर्वोत्तर सेक्टर (कल्याण महा. के साथ संलग्न)
7	कमांडेण्ट	राजेश यादव	124/150 बटा0
8	कमांडेण्ट	श्रीमती मधुवाला	त्रिपुरा सेक्टर/ 240 बटा0
9	कमांडेण्ट	श्री राम मीणा	72 बटा0
10	कमांडेण्ट	जगदीश प्रसाद बलाई	212 बटा0
11	मु.चि.अ. (एसजी)	डा. दीपक रामा हेडगे	सीएच हैदराबाद
12	मु.चि.अ. (एसजी)	डा. दिनेश कुमार मिश्रा	सीएच रांची
13	मु.चि.अ. (एसजी)	डा. रविन्द्रा कुमार	चिकित्सा महा./सीटीसी (टी व आईटी)
14	द्वि.क.अ.	परमिंदर सिंह नज्जर	28 बटा0
15	द्वि.क.अ.	यैखोम नंदकिशोर सिंह	44/18 बटा0
16	द्वि.क.अ.	प्रदीप कुमार सिंह	152/158 बटा0
17	द्वि.क.अ.	विनय कुमार शर्मा	176/123 बटा0
18	द्वि.क.अ.	देवेन्द्र सिंह	38 बटा0
19	उप कमां.	राकेश रंजन तिवारी	179 बटा0

20	उप कमां.	सुभाष चंद्र घोष	ग्रुप केन्द्र दुर्गापुर
21	उप कमां.	बलवीर सिंह	ग्रुप केन्द्र श्रीनगर
22	उप कमां.	तनवीर जमाल	परि. रेंज मिदनापुर
23	उप कमां./मंत्रा.	विश्वाजीत प्रमाणिक	सीजेड मुख्या.
24	सहा.कमा.	मुकेश कुमार	ग्रुप केन्द्र हीरानगर
25	सहा.कमा.	छत्रपाल सिंह	5वीं बेतार वाहिनी
26	सहा.कमा./मं.	बलजीत सिंह	ग्रुप केन्द्र इम्फाल
27	निरीक्षक/जीडी	संसार चंद	237 बटा0
28	निरीक्षक/जीडी	अनिरुद्ध प्रसाद तिवारी	65 बटा0
29	निरीक्षक/जीडी	गुनासेकरन पुरुषोत्थमन	आरटीसी आवडी
30	निरीक्षक/जीडी	विजय सिंह	आरटीसी नीमच
31	निरीक्षक/जीडी	राम किशन	136 बटा0
32	निरीक्षक/जीडी	शिव दयाल	164 बटा0
33	निरीक्षक/जीडी	जी.सी. रामचेरी	ग्रुप केन्द्र, आवडी
34	निरीक्षक/जीडी	राम कुमार	ग्रुप केन्द्र, अमेटी
35	निरीक्षक/जीडी	मान सिंह राघव	94 बटा0
36	निरीक्षक/जीडी	अशोक कुमार सरकार	246 बटा0
37	निरीक्षक/जीडी	मिथलेश नारायण दिक्षित	30 बटा0
38	निरीक्षक/जीडी	ऋषिपाल	127 बटा0
39	निरीक्षक/जीडी	सरदार सिंह	86 बटा0
40	निरीक्षक/जीडी	राम नजर सिंह	ग्रुप केन्द्र ग्वालियर
41	निरी/मंत्रा.	कुनाल नंदा	प्रशिक्षण महा.
42	उनि/जीडी	राम निवास	139 बटा0
43	उनि/जीडी	अमर सिंह	026 बटा0
44	उनि/जीडी	जवाहर लाल सिंह	सीटीसी (टी एंड आईटी)
45	उनि/जीडी	अविराम देव वर्मा	ग्रुप केन्द्र सिलचर
46	उनि/जीडी	फतीक चंद्र शीत	184 बटा0
47	उनि/जीडी	नेत्रपाल शर्मा	पूर्वोत्तर सैक्टर
48	उनि/जीडी	निरल संगी	ग्रुप केन्द्र रांची
49	सउनि/जीडी	लियाकत अली खान	एमटी महा.
50	सि0/जीडी	मौ. रशीद	126 बटा0
51	सि0/जीडी	सुभाष देवनाथ	140 बटा0
52	निरी/आरओ	एस. अभिमन्यु	2 बेतार वाहिनी
53	निरी/आरमो.	सुप्रिया चटर्जी	सीडब्ल्यूएस-3 सिलीगुड़ी
54	निरी/एमटी	गंगाधरन नायर ए.टी.	ग्रुप केन्द्र सिलचर
55	उनि/एमएम	प्रशांता कुमार राउत	08 बटा0
56	सि0/बारबर	मुन्नु राम	ग्रुप केन्द्र रामपुर
57	सि0/सफाई कर्मचारी	मोती चंद	92 बटा0

केरिपुबल ने अपनी तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए सी-डैक के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

देश के अग्रणी आंतरिक सुरक्षा बल—केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बल की जनशक्ति को उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करने तथा संयुक्त परियोजना को प्रारंभ करने के लिए भारत के प्रगत संगणन विकास केंद्र के प्रमुख तकनीकी आर. एंड डी. के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), उच्च कार्य-निष्पादन संगणना (हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी)) और बड़े आँकड़ों के विश्लेषण संबंधी (बिग डेटा एनालिटिक्स) जैसे उन्नत क्षेत्रों में बल कर्मियों को प्रशिक्षित करके केरिपुबल की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना है। यह समझौता केरिपुबल के विभिन्न आईसीटी साधनों/समाधानों को विकसित करने में तकनीकी भागीदार और ज्ञान के भागीदार के रूप में सी-डैक की विशेषज्ञता भी प्रदान करेगा।

केरिपुबल मुख्यालय में, केरिपुबल की ओर से श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक (संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी) एवं सी-डैक की ओर से डॉ. हेमंत दरबारी, डीजी सी-डैक ने श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, केरिपुबल, डॉ. सिथु डी.सुदर्शन, कार्यकारी निदेशक सी-डैक, कार्यकारी निदेशक सी-डैक, श्री वीरेंद्र अग्रवाल, उप महानिरीक्षक (संचार), श्री शंकर दत्त पांडे, उप महानिरीक्षक (आईटी), श्री आर. नागेश, एसोसिएट निदेशक, व्यापारिक प्रभाग सी-डैक की उपस्थिति में 5 साल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस कार्य के लिए सी-डैक को धन्यवाद देते हुए केरिपुबल के महानिदेशक श्री कुलदीप सिंह ने कहा

कि जैसे-जैसे दुनिया में प्रौद्योगिकी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, इस सहसंबंध से सी-डैक के अनुभव, विशेषज्ञता, क्षमता और कौशल बल को उपलब्ध होंगे जिससे केरिपुबल को फायदा होगा। डॉ. हेमंत दरबारी, महानिदेशक, सी-डैक ने अपने संबोधन में कहा कि तेजी से उन्नत हो रही तकनीक में प्रगति की गति के साथ बने रहने के लिए सीखने, भुला देने और फिर से सीखने की अवधारणा महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह



समझौता केरिपुबल के कार्मिकों को उनके क्षेत्र की जरूरतों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के अनुरूप विशिष्ट रूप से निर्मित उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करने में प्रभावी होगा।

यद्यपि केरिपुबल के कई कार्मिकों ने पहले भी सी-डैक के पाठ्यक्रमों में भाग लिया है, यह समझौता ज्ञापन उन पाठ्यक्रमों को संस्थागत रूप देगा जो बल की आवश्यकताओं के अनुरूप और आने वाली प्रचलित प्रौद्योगिकी के होंगे। पाठ्यक्रम के पूर्ण होने पर, प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम की अवधि पर आधारित प्रमाणपत्र या 'स्नातकोत्तर डिप्लोमा' प्राप्त होगा।

केरिपुबल ने चित्तूर में 110 पारिवारिक आवास उपलब्ध कराए



केरिपुबल के काउंटर इंसर्जेंसी एंड एंटी टेररिज्म स्कूल (सीआईएटी), चित्तूर, आंध्रप्रदेश में 3 जुलाई 2021 को 110 नवनिर्मित फैमिली क्वार्टर का उद्घाटन किया गया। केरिपुबल के महानिदेशक श्री कुलदीप सिंह ने एक समारोह में इन आवासों का उद्घाटन किया तथा कार्मिकों के परिवारजनों को आवासों की चाबी सौंपी।

अपने उद्बोधन में, महानिदेशक महोदय ने कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों को नए आवासों के लिए बधाई दी और कहा कि चूँकि केरिपुबल कार्मिकों की अधिकांश तैनाती परिचालन क्षेत्रों जैसे जम्मू-कश्मीर, वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों और पूर्वोत्तर में है, इसलिए कार्मिकों को अपने परिवार के साथ रहने के कम अवसर मिलते हैं। इसका समाधान करने के लिए बल द्वारा उपयुक्त स्थानों पर पारिवारिक आवास बनाने के लिए संकेन्द्रित प्रयास किए गए हैं जहाँ पर जवान अपने परिवार के साथ तनाव मुक्त और सुरक्षित वातावरण में रह सकें। महानिदेशक महोदय ने इस परियोजना को निश्चित समय में पूरा करने के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की भी सराहना की।

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा आधुनिक सुविधाओं एवं पर्यावरण के अनुकूल उपायों जैसे वर्षा जल संचयन के प्रावधानों के साथ 72 टाइप-दो, 22 टाइप-तीन, 13 टाइप-चार और 3 टाइप-पांच आवासों का निर्माण किया गया है। 09/12/2019 को शुरू की गई परियोजना को निर्धारित तिथि से डेढ़ महीने पहले और अनुमानित लागत से लगभग 2 करोड़ रुपये कम के बजट के भीतर पूरा किया गया है।

लक्ष्य टीकाकरण :

केरिपुबल ने अपने परिवारजनों के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया



केरिपुबल ने कोविड-19 से अपने कार्मिकों एवं उनके परिवारों को प्रतिरक्षित करने के लिए 5 जुलाई 2021 को व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया। श्रीमती कृति गर्ग, जिलाधिकारी, पश्चिमी दिल्ली के तत्वावधान में और उड़ान चैरिटेबल फाउंडेशन संजीवनी के सहयोग से महावीर नगर, नई दिल्ली में 5 बटालियन केरिपुबल के परिसर में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया गया। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रहने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के परिवार के सदस्यों ने बड़ी संख्या में इस अभियान में भाग लिया, जहां उन्हें मौके पर ही तत्काल पंजीकरण की सुविधा प्रदान की गई और वैक्सीन लगाई गई। श्रीमती स्यालू एस. महाराणा, कमांडेण्ट 5 बटालियन और डॉ० प्रिया दुग्गल, सीएमओ 5 बटालियन के पर्यवेक्षण में टीकाकरण किया गया।

मास्क पहनने, सैनेटाईज करने, सामाजिक दूरी और जागरूकता अभियानों के माध्यम से भय को दूर करके टीकाकरण के लाभों के बारे में अपने कार्मिकों और



परिवारजनों को शिक्षित करने के संकेंद्रित प्रयासों के साथ महामारी के विरुद्ध देश की लड़ाई में केरिपुबल प्रारम्भ से ही शामिल रहा है। केरिपुबल के अधिकांश कार्मिकों का टीकाकरण हो चुका है। पात्र सदस्यों के 100 प्रतिशत टीकाकरण व अपने परिवारजनों के टीकाकरण करने के लिए भी सन्नद्ध है।

जयपुर के नायला में केरिपुबल ने 3000 पौधे रोपे

केरिपुबल के राजस्थान सेक्टर ने जयपुर के नायला में स्थित 246 बटालियन में कैम्प परिसर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। फलदार पेड़ों सहित विविध प्रकार की प्रजातियों के 3000 पौधों के वृक्षारोपण में श्री विक्रम सहगल, महानिरीक्षक, केरिपुबल सम्मिलित हुए। कैम्प परिसर में रहने वाले कार्मिकों के परिवारजनों ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान में उनके सराहनीय योगदान के लिए बच्चों को चित्रकला की पुस्तकें और लेखन सामग्री भेंट की गई।

केरिपुबल का पर्यावरण के प्रति समर्पित रहने का गौरवशाली इतिहास रहा है। बल के संस्थान अपने हरे भरे परिसरों पर गर्व करते हैं और प्रकृति के लिए



अपना योगदान देने के लिए नियमित पहल करते हैं। वर्ष 2020 में, अल्प अवधि में 25 लाख से अधिक पौधों का रोपण करने के लिए बल को व्यापक सराहना मिली थी।



केरिपुबल के महानिदेशक ने खूंटी का दौरा किया, बुद्धेश्वर उरांव को मार गिराने वाले दल का सम्मान किया

श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, केरिपुबल ने 209 कोबरा के खूंटी स्थित कैम्प का दौरा किया तथा दल के बहादुर सदस्यों के साथ बातचीत की जिन्होंने झारखंड के गुमला के क्रुमग्रह के जंगलों में इसी 15 जुलाई को हुई भीषण मुठभेड़ में 15 लाख के इनामी माओवादी बुद्धेश्वर उरांव को मार गिराया था। महानिदेशक महोदय ने उनकी सफलता के लिए दल की प्रशंसा की तथा माओवादियों के मंसूबों से लड़ने में उनके अथक प्रयास की सराहना की। इस सफल अभियान एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु महानिदेशक महोदय द्वारा कमांडोज को महानिदेशक की प्रशंसा डिस्क एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। केरिपुबल के महानिदेशक महोदय द्वारा झारखंड सेक्टर केरिपुबल, 209 कोबरा, 203 कोबरा और राज्य पुलिस के 16 अधिकारियों और जवानों को अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया। चाय पर अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने जवानों से चर्चा की और बल की उन्नति के संबंध में उनके सुझाव दर्ज किए।

महानिदेशक महोदय ने बल की परिचालनिक तैयारियों की भी समीक्षा की और सभी से साहस और गौरव की परंपरा को बनाए रखने का आह्वान किया



केरिपुबल 28 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन

पुलिस महानिरीक्षक श्रीनगर सेक्टर केरिपुबल के तत्वाधान में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन 28 बटालियन, केरिपुबल के द्वारा क्रमशः जकूरा, बटमालू एवं करालकुद में आयोजित किया गया। इसमें प्रतिदिन करीब 300 से अधिक स्थानीय लाभन्वित हुए जिन्हें मुफ्त जाँच, ईलाज तथा दवाइयां वितरित की गयीं। सभी स्थानीय लोगों जिसमें वृद्ध, महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे, सभी ने इस मेडिकल कैम्प में जांच कराई तथा दवाएं भी ली। कोविड महामारी से बचाव हेतु एन 95 मास्क, साबुन, नैपकिन तथा सेनेटाइजर भी लाभार्थियों को प्रदान किए गए।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल श्रीनगर घाटी में कानून व्यवस्था हेतु तैनात है। साथ ही स्थानीय नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य भी बल की प्राथमिकता है। स्थानीय लोगों ने केरिपुबल के इस प्रयास को काफी सराहा तथा ऐसे और मेडिकल कैम्प आयोजित करने हेतु आग्रह भी किया।

मेडिकल कैम्प को सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश भर में काफी सराहा गया।

यह मेडिकल कैम्प श्री जितेन्द्र कुमार, कमाण्डेन्ट-28 बटाली, केरिपुबल के प्रयास तथा डा0 सुनीम अहमद खान, चिकित्सा अधिकारी की देख-रेख में सम्पन्न हुआ।



वृक्षारोपण : एक संकल्प

‘धरती की बस यही पुकार पेड़ लगाओ बारम्बार’

लगाये। सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इस वृक्षारोपण अभियान में नूह की ग्रामीण जनता को भी शामिल किया गया और इसे एक उत्सव के तौर पर मनाया गया। वाहिनी के कमांडेंट, श्री राकेश कुमार सिंह ने इस अभियान का कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रकृति की इस अनुपम देन को बढ़ाना

और बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिस प्रकार वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना महामारी से मानव जीवन को बचाने हेतु संघर्ष कर रहा है तथा ऑक्सीजन की कमी के कारण लोगों की मृत्यु हो रही है, कहीं न कहीं प्रकृति हमें आगाह कर रही है, कि यदि मानव सभ्यता को बचाना है, तो पेड़ लगाना ही एकमात्र विकल्प होगा। दुनिया के सभी अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा पर्यावरण को बचाने हेतु नित नई पहल की जा रही है। हमारे बल के कार्मिकों का संकल्प राष्ट्र के प्रति हमारे उत्तरदायित्व को रेखांकित करता है।



आज के समय में शहरीकरण तथा औद्योगिकरण के फलस्वरूप पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है तथा वातावरण दूषित हो रहा है। वनोन्मूलन और अंधाधुंध पेड़ों की कटाई सरकार तथा समाज के सामने एक विकट समस्या बन चुकी है, तथा इसके कारण कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं ने जन्म लिया है। जैसे कि कार्बन डाईआक्साइड के अवशोषण में कमी, ऑक्सीजन तथा वायु गुणवत्ता में गिरावट, पशु-पक्षियों तथा मानव जाति की कई नस्लों का विलुप्तिकरण, अप्रत्याशित तथा असामयिक प्राकृतिक आपदायें इत्यादि।

जुलाई माह में मानसून के मौसम को देखते हुए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तरफ से संपूर्ण भारत में के.रि.पु.बल की विभिन्न बटालियनों तथा कार्यालयों द्वारा वृहत् स्तर पर वृक्षारोपण का अभियान चलाया गया, जिसमें 194 द्रुत कार्य बल ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। बटालियन के कार्मिकों ने बवाना (दिल्ली) तथा बटालियन को आवंटित जमीन नूह, (हरियाणा) में एक महीने की समयावधि में रिकार्ड 6000 पौधे





केरिपुबल अकादमी का एमडीआई गुरुग्राम के साथ समझौता

केरिपुबल अकादमी, कादरपुर गुरुग्राम एवं एमडीआई के बीच केरिपुबल अकादमी के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए नेतृत्व और प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। श्री के.एस. भंडारी, अपर महानिदेशक/निदेशक, केरिपुबल अकादमी और डॉ. कंवल कपिल नयन, डीन (संकायाध्यक्ष), प्रौढ़ शिक्षा, एमडीआई गुरुग्राम ने केरिपुबल अकादमी परिसर में समझौता ज्ञापन दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम आंतरिक सुरक्षा के प्रबंधन में सक्रिय और जटिल समस्याओं से निपटने के लिए केरिपुबल के प्रशिक्षु अधिकारियों को संगठनात्मक नेतृत्व, संगठनात्मक संचार और व्यावसायिक तनाव प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यक्रम के सुचारु रूप से संचालन के लिए व्याख्यानों, मामलों का अध्ययन, भूमिका के निर्वहन एवं अन्य प्रौढ़ शिक्षा पद्धति के सिद्धांत पर आधारित एमडीआई के प्रसिद्ध प्राध्यापकों

के माध्यम से केरिपुबल के प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रबंधकीय समस्या को हल करने और निर्णय लेने का कौशल प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री भंडारी ने टिप्पणी दी कि नव युग के कमांडरों को अस्थिर-अनिश्चित-जटिल-अस्पष्ट वातावरण में नेतृत्व करना, मार्गदर्शन करना, प्रेरित करना और प्रबंध करना सीखना चाहिए। सैन्य दल हमेशा अपने युवा मार्गदर्शक की ओर आशा और आकांक्षा से देखते हैं। एक नवोदित अधिकारी के लिए खुद को नए ढांचे में उपयुक्त बनाना एक चुनौती है, जिसके लिए पेशेवर कार्य-निर्वहन क्षमता, धैर्य और अपने कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। डॉ. कंवल कपिल ने एमडीआई के इतिहास को याद किया और कहा कि वर्दीधारी सेवाओं के साथ ऐसा समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के लिए बहुआयामी होगा। श्री ए.वी. चौहान, महानिरीक्षक/संयुक्त निदेशक एवं दोनों संस्थानों के प्राध्यापकगण इस अवसर पर उपस्थित थे।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कन्याकुमारी से राजघाट तक कुल 2850 कि.मी. की साइकिल रैली को झंडी दिखाकर खाना किया

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने दिनांक 22/8/2021 को आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए गाँधी मंडपम कन्याकुमारी, तमिलनाडु से राजघाट तक के लिए साइकिल रैली को झंडी दिखाकर खाना किया, जो प्रगतिशील भारत के 75 वर्षों और भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति एवं उपलब्धियों को दिखाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। इस अभियान को गति प्रदान करने के लिए और आजादी के योद्धाओं को सम्मान देने के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अपने 400 स्थायी और 1200 फील्ड संस्थानों में अनेक कार्यक्रम पूरे जोश एवं उत्साह के साथ आयोजित कर रहा है।

श्री टी0 मानो थंगराज, सूचना एवं तकनीकी मंत्री तमिलनाडु सरकार ने गाँधी मंडपम कन्याकुमारी से रैली को झंडी दिखाकर खाना किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधि, अति विशिष्ट व्यक्ति, वरिष्ठ अधिकारी और बल के जवान उपस्थित रहे। यह रैली 02 अक्टूबर, 2021 को राजघाट पर समाप्त होगी जिसमें कुल 2850 किमी0 की यात्रा पूर्ण की जाएगी।

यह रैली तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से होकर गुजरेगी। रैली प्रतिदिन 70-80 किमी0 की यात्रा पूर्ण करेगी तथा मार्ग में आने वाले आजादी के आन्दोलन से संबंधित ऐतिहासिक स्थानों पर भ्रमण करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करेगी और जगह-जगह लोगों को आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में जागरूक करेगी।

श्री प्रदीप कुमार सहायक कमांडेंट, गुप केन्द्र, के0रि0पु0बल पल्लीपुरम साइकिल रैली के कप्तान हैं जिसमें कुल 15 साइकिल सवार हैं। एक मेडीकल टीम साथ में रहेगी जो प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराएगी। समारोह के ध्वज पर केरल और तमिलनाडु राज्यों के विभिन्न समारोहों की झलक को दर्शाया गया है। इसी क्रम में, के0रि0पु0बल की 03 और बड़ी साइकिल रैलियां जोरहट (असम), साबरमती (गुजरात) और जम्मू से शुरू की जाएंगी जो कि दिनांक 02 अक्टूबर 2021 को राजघाट नई दिल्ली में समाप्त होगी।



जोरहाट से राजघाट :- केरिपुबल ने 2413 कि.मी. की साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने वर्तमान में चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के एक भाग के रूप में 31 अगस्त, 2021 को एक साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया, जो प्रगतिशील भारत के 75 वर्षों और रोरिहा, जोरहाट असम के नागरिकों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों को दिखाने की भारत सरकार की एक पहल है। असम सरकार के कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा ने जोरहाट से झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और यह रैली दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को राजघाट पर समाप्त होगी। श्री टोपोन कुमार गोगई, संसद सदस्य, जोरहाट, श्री हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, विधान सभा सदस्य और केरिपुबल के अधिकारी इस रैली के दौरान उपस्थित रहे। ओलंपियन और देश की शान, लवलीना बोगोहेन ने ओलंपिक पोडियम तक पहुँचने तक की अपनी उल्लेखनीय यात्रा की कहानी को साझा कर रैली के सदस्यों को प्रेरित किया।

मंत्री जी ने भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की



महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अंजन फुकन, मनोरंजन बोरा और नजरूल हुसैन के परिवारों को भी सम्मानित किया।

रैली दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को राजघाट पर समाप्त होगी जिसमें कुल 2413 कि०मी० की दूरी तय की जाएगी। यह रैली गुवाहाटी-सिलीगुड़ी-पटना-वाराणसी-प्रयागराज-कानपुर होते हुए राजघाट पहुँचेगी और मार्ग में आने वाले आजादी के आन्दोलन से संबंधित ऐतिहासिक स्थानों पर भ्रमण करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करेगी और जगह-जगह लोगों को आजादी के ऐतिहासिक अमृत महोत्सव के बारे में जागरूक करेगी।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा चार साइकिल रैलियां आयोजित की जानी है जिसमें से एक को इस माह के शुरू में ही कन्याकुमारी से राजघाट तक रवाना किया जा चुका है। उपयुक्त तिथियों पर दो और अन्य रैलियां अहमदाबाद और जम्मू से रवाना की जाएंगी।



“घात से प्रतिघात तक” संस्मरण



चितेश कुमार, उप कमां.
समूह केन्द्र, के.रि.पु.बल, राँची

ताल, तमाल, हिंगुल से सुशोभित यह दण्डकारण्य अपने दामन में प्रकृति के रूप लावण्य के साथ साथ बहुत अनकही कहानियां समेट रखी हैं। इसी दण्डक वन की हृदयस्थली की जीवनरेखा है सुकमा जिला का दोरनापाल-जगरगुंडा मार्ग एवं इसके आस पास का एरिया। यदि इस मार्ग को रक्तंजित गलियारा कहा जाय तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। हालांकि सन् 2000 से पूर्व ऐसी स्थिति नहीं थी अपितु भारतवर्ष के अन्य छोटे कस्बों व बाजार की भाँति गुलजार और जीवंत था यह क्षेत्र। तेंदुपत्र, ईमली और कीमती जड़ी बूटियों का व्यवसाय यहाँ के लोगों के माली हालत को सुधारने के साथ साथ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई हुई थी। परन्तु जैसे हरेक अच्छी चीजों को नजर लग जाती है वैसे ही इस सदी के प्रथम दशाब्दी के पूर्वार्द्ध से इस दण्डकारण्य की चिरशांति को भी कर्मस्वांगी कुत्सित व उन्मादी नक्सल हिंसा ने अपने आगोश में ले लिया तथा इस नैसर्गिक उदात्त क्षेत्र को सांस्कृतिक व आर्थिक अधोपतन की ओर उन्मुख कर दिया। खैर इन ऐतिहासिक आंकड़ों पर हर्फ मारते हुए अपने बस्तर के संस्मरण को भावनाओं के पारावार में आगे बढ़ाते हैं।

भावनाओं को व्यक्त करने के लिए भाषा कभी भी संप्रेषण बाधा नहीं बन सकती है बल्कि कायिक अभिव्यक्ति ही संपूर्ण रूप से संवाद स्थापित कर लेने के लिए पर्याप्त होता है। इस बात का प्रायोगिक ज्ञान मुझे तब मिला, जब हमारे शहीद सखा वीर मनोरंजन की पूजनीय माता श्रीमती मेमचा देवी व अग्रजा घानामंजरी का सानिध्य प्राप्त हुआ। 19 जनवरी 2018 को 201 कोबरा के नौवें स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में उनके स्वागत का सौभाग्य मिला। शहीद स्मारक पर माताजी द्वारा श्रद्धांजली अर्पित करते समय उनकी नम आंखें व गर्वोन्नत ललाट वहाँ उपस्थित सभी जवानों

और अधिकारियों को भावविह्वल एवं प्रेरणा से ओतप्रोत करने वाला क्षण था। उनके दो दिवसीय प्रवास के दौरान भाई मनोरंजन और उनके परिवार का कुशल क्षेम जानकर इतना अपनत्व अनुभव कर रहा था मानो अपने घर की बात हो। भारत भूषण की सलाह पर विनोद और विक्रांत के साथ सपरिवार, उनके आतिथ्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तथा हम सभी ने मिलकर यथोचित रूप से उनका सत्कार किया। उस दौरान उनकी आंखों से निकलने वाली अश्रुधारा मानो हम सभी को आशीर्वाद से सिंचित कर रही थी। उनके अप्रतिम स्नेह और आशीर्वाद के हम ऋणी हो गए। लेकिन मन के किसी कोने में एक टीस अवश्य शेष थी।

संप्रति रिक्रुट प्रशिक्षण केन्द्र राजगीर से स्थानान्तरण उपरांत जनवरी 2017 के प्रथम सप्ताह में मैंने 201 कोबरा वाहिनी में रिपोर्ट किया। वाहिनी के प्रशासनिक भवन के अधोतल पर ही प्रवेश मार्ग के बाईं ओर 201 कोबरा के वीरगति प्राप्त महामनाओं के छायाचित्र दीवार पर चस्पा रखे थे। जिसमें हमारे बैच के दो वीर सखा अमर शहीद मनोरंजन और राकेश के भी चित्र थे। मेरी दृष्टि उनकी तस्वीर पर अनायास ही चली गई जिसे मैं अपलक निहारने लगा। दोनों शहीद भाईयों की स्नेहिल नजर मेरे उपर एक बंकिम कटाक्ष प्रतीत हो रही थी। अंतर्मन में शायद पहली बार मुझे यह अहसास हो रहा था कि कोबरा के इस तैनाती अवधि में स्वर्गीय वीर बांधवों की शहादत का प्रतिशोध लेने और उनके शौर्य को अभिनंदन करते हुए सच्ची श्रद्धांजलि देने का सौभाग्य प्राप्त होगा। 201 कोबरा के शैशव काल में ही 17 सितंबर 2009 को इन रण बाँकुरों ने सुकमा के चिंतागुफा के दुर्जेय नक्सल गढ़ सिंगमडगु में एक परिचालन के दौरान बड़ी सफलता अर्जित करते हुए अपनी शहादत दी थी। कोबरा के आविर्भाव के तुरंत बाद ही हुए इस परिचालन में 201 वाहिनी के छः



वीर सपूतों ने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

बल के संगठनात्मक तौर पर सबसे सशक्त इकाई होती है कंपनी, हालाँकि यह क्षति तो बल के लिए अपूरणीय थी परंतु डी व बी/201 समवाय के लिए तो व्यक्तिगत रूप से यह त्रासदी थी। राकेश डी/201 समवाय के टीम कमांडर थे। एक युद्धक कंपनी के लिए यह उद्विग्नता और चुनौती का विषय होता है जब तक कि अपने नुकसान की भरपाई वह सूद समेत ना कर ले। कोबरा पी आई प्रशिक्षण सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के उपरांत मुझे, श्री राकेश राव, कमाण्डेन्ट 201 कोबरा द्वारा डी/201 समवाय का कमांडर नियुक्त किया गया। कमाण्डेन्ट महोदय द्वारा उनके सुकमा-बीजापुर के व्यापक परिचालनिक अनुभवों को साझा करते हुए मार्गदर्शन और हौसला अफजाई मिलता रहा। इस कंपनी का प्रभार लेने के बाद मैं सुकमा जिला के एरिया, नक्सल इतिहास, वर्तमान नक्सल टैक्टिक्स, और उनके संभावित उपस्थिति स्थल आदि के बारे में सांगोपांग अध्ययन किया। तदनुसार अपने कंपनी का विशद प्रशिक्षण कराते हुए अपने ए.ओ. आर. में सघन परिचालन को अंजाम देना शुरू किया। ऐसे दुरुह स्थानों पर एक या दो टीम लेकर परिचालन को अंजाम दिया जहाँ अमूमन 6 से 8 टीमें अभियान पर जाया करती थी, पर नक्सलियों के विरुद्ध कोई विशेष सफलता नहीं मिली, थक हारकर हम इस सोच के साथ हृदय को तसल्ली देने लगे कि जब नक्सली चाहेंगे तभी उनसे मुठभेड़ होगी। हमारे प्रयासों से कुछ नहीं होगा। कभी टी.सी.ओ.सी. की चुनौतियाँ, कभी बलवती मानसून के कारण उफनती नदियाँ तो कभी सूर्यातप के पातक प्रचंड से हाड़ मांस को जला देने वाली मौसमी दुश्वारी भी हमारे हौसले को कम कर रही थी पर हमारे परिश्रम के यज्ञहवि को समिधा देना बाकी था और अपने वीर बाँकुरों का संकल्प दोहराना शेष था।

आखिरकार 25 मार्च 2019 को श्री गौतम कुमार, द्वि.क.अधि. के नेतृत्व में सुकमा जिले के नरसापुरम बेस कैम्प से 201 कोबरा ने नक्सलियों के गढ़ कड़कनगुडा, भीमापुरम, गोमगुडा ईलाके में परिचालन लांच किया। जिसमें डी/201 समवाय मेरे नेतृत्व में मुख्य स्ट्राइकिंग रोल में थी। चिंतावागु को मध्यरात्रि में पार कर मेरी पार्टी प्रातः वाटेवागु नाला को क्रॉस करने के लिए ज्यों ही आगे बढ़ीं, त्यों ही नक्सलियों की लगभग अजेय मिलिट्री विंग (पी.एल.जी.ए.) से हमारी भीषण मुठभेड़ शुरू

हो गयी। डी/201 के शूरवीर कमांडोज ने मेरे साथ अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन करते हुए बिना किसी भय के, जारी मुठभेड़ के बीच नाला पार करते हुए लगभग आधा दर्जन नक्सलियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा और शीघ्र ही वे अपने कुछ मृत और घायल साथियों को उठाकर भाग खड़े हुए, पर तब तक डी/201 कोबरा इतिहास लिख चुका था। पी.एल.जी.ए. के दुर्दांत नक्सली अपने प्लाटून कमांडर सहित अपने चार साथियों के शव हथियार सहित छोड़कर भाग गये। छत्तीसगढ़ के नक्सलवाद के इतिहास में पी.एल.जी.ए. के खिलाफ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (कोबरा) की यह सबसे बड़ी सफलता थी जिसमें 32 लाख के इनामी कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया गया। इस परिचालन का महत्व इसलिए और विराट हो जाता है कि अभेद्य रणनीति, विशद योजना, स्वेदसमन्वित अभ्यास, कुशल नेतृत्व और त्रुटिरहित क्रियान्वयन के कारण उस समरांगन में काफी नजदीक से दुश्मनों का सामना करने के बावजूद भी हमारे किसी कमांडो को खरोंच तक नहीं आई। जबकि मुठभेड़ के उपरांत पुनः एकत्रित होकर वापसी के समय लगभग 7-8 किमी तक उन्होंने हमारा पीछा करते हुए हमले का काफी प्रयास किया, इस समग्र पराक्रम के उत्तरार्ध का साक्षी एन.टी.आर.ओ. भी रहा। छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में एक कहावत प्रसिद्ध है कि सभी ग्रहों की चाल अपने पक्ष में हो तो नक्सलियों से मुठभेड़ होती है और नव ग्रहों के साथ साथ यदि सूर्य और चन्द्र की भी कृपा आपके ऊपर हो तो आपको हानिरहित सफलता मिलती है।

यद्यपि इस अप्रतिम सफलता में 201 की बाकी कंपनियों (ए व ई) का योगदान किसी प्रकार से कमतर नहीं था, तथापि डी/201 समवाय और विशेषतः मेरे लिए तो यह किसी दिवास्वप्न के सच होने जैसा था क्योंकि हमने अपने आदर्श योद्धाओं के शहादत का बदला लेकर उन्हें अपनी तरफ से श्रद्धांजलि दे दी। ये सभी श्री सारंग कुर्वे, सहायक कमाण्डेन्ट और डी/201 के, कठिन परिश्रमी, अनुशासित, निडर, साहसी, दिलेर रणबाँकुरों के बिना संभव नहीं था। आप सभी ने अपने कमांडर के प्रति मनसा, वाचा, कर्मणा से जो पूर्णविश्वास और निष्ठा दिखाई उससे मैं कभी उन्मत्त नहीं हो सकता। और इसी लगन, मेहनत और सदगुणों के साथ आप अपने प्रारब्ध को भविष्य में भी प्राप्त करते रहें, मेरी शुभकामनाएं हमेशा आपके साथ रहेगी।

सहायक कमाण्डेन्ट राजभाषा की कलम से



सुरेन्द्र पाल सिंह
सहा. कमां. (राजभाषा),
महानिदेशालय, केरिपुबल

वर्तमान तिमाही कई मामलों में घटना प्रधान तिमाही है। केरिपुबल ने 27 जुलाई को अपना 83वां स्थापना दिवस मनाया और राष्ट्र ने 15 अगस्त को अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया और अब 14 सितंबर को हिंदी दिवस भी मना रहा है। हिंदी दिवस अर्थात् “राजभाषा हिंदी का जन्म दिवस”। आइए इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हिंदी के प्रयोग तथा प्रचार-प्रसार में मन, कर्म और वचन से जुट जाएंगे।

मानव जीवन में भाषा का अत्यंत महत्व है। वैचारिक आदान-प्रदान, व्यापार व्यवहार का आधार भाषा है। अर्थात् भाषा सम्प्रेषण का माध्यम है। भाषा के बिना न तो एक-दूसरे को समझा जा सकता है और न पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाया जा सकता है। भाषा ही मनुष्यों को एक-दूसरे से जोड़े रखती है। किंतु मानव-जीवन में भाषा की व्याप्ति और महत्व इससे कहीं अधिक है। भाषा एक प्रवाहमान नदी है जिसमें हमारा जीवन बहता है। भाषा से ही समाज बनता है और भाषा के द्वारा ही उसे एकसूत्र में बांधकर रखा जा सकता है। सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन के किसी भी क्षेत्र की उन्नति या प्रगति में भाषा की अहम भूमिका होती है। भाषा के बिना व्यक्ति या समाज प्राणहीन और अपंग है। भाषा किसी भी समाज की ताकत भी होती है और उसकी पहचान भी। यह पहचान अस्मिता का निर्माण करती है और अस्मितावान समाज और राष्ट्र अन्यो की तुलना में अधिक प्रगति और विकास करते हैं। प्रत्येक राष्ट्र की कोई न कोई राष्ट्रभाषा या राजभाषा है। भारत एक बहुभाषी देश है, इसकी कोई एक राष्ट्रभाषा नहीं है। किंतु हिंदी भारत की सबसे बड़ी सम्पर्क भाषा और राजभाषा है। कम या ज्यादा देश भर में हिंदी सर्वत्र मौजूद है। हिंदी की इसी व्यापकता और भारतीय जन-मानस में उसकी गहरी पैठ को देखते

हुए ही जर्मनी के विख्यात हिंदी विद्वान लोठार लुत्से ने कहा था कि “हिंदी सीखे बिना भारत के दिल तक नहीं पहुंचा जा सकता”। भारत की सांस्कृतिक चेतना विलक्षण होने के संदर्भ में यह टिप्पणी इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि हिंदी भारत की पहचान है। भाषा की यह पहचान भारतीय संस्कृति की भी पहचान है। वस्तुतः भाषा संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग है। या कहिए कि भाषा संस्कृति का प्रवेश द्वार है। इसलिए भारतीय संस्कृति की अक्षुण्णता और विकास इस बात पर निर्भर करता है कि हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में हिंदी कितनी समाविष्ट रहती है।

यहां पर इस तथ्य को दर्शाया जाना उचित होगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस देश को न केवल आजादी दिलाई वरन् राष्ट्र-संचालन के लिए एक सम्यक् चिंतन भी प्रदान किया, जिसे “गांधी दर्शन” के नाम से पूरा विश्व जानता है। 02 अक्टूबर को गांधी जी का जन्म दिवस हमें राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के बारे में गांधी जी के चिंतन के परिप्रेक्ष्य में आत्मालोचन का अवसर प्रदान करता है। अन्य बहुत सी बातों के साथ-साथ, पूरा राष्ट्र हिंदी को इस देश की राष्ट्रभाषा, जनभाषा और राजभाषा का सम्मान देने के लिए भी उनका कृतज्ञ है। यह अवसर हमें “राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के शब्दों में—हम कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी” — अनायास ही राजभाषा हिंदी की प्रगति के बारे में पुनर्चिंतन को विवश करता है। यह स्वीकार करना होगा कि पिछले 71 वर्षों से निरंतर सरकारी प्रयासों के बावजूद केंद्र सरकार के कार्यालयों से न तो पूरी तरह अंग्रेजी को हटाया ही जा सका है

और न ही पूरी तरह हिंदी को लाया ही जा सका है। यह भी मानना होगा कि संविधान निर्माताओं की मंशा हिंदी को “संघ” की राजभाषा बनाने की थी न कि केवल केंद्र सरकार के कार्यालयों की भाषा बनाने की। बाद में इस सोच में किंचित भटकाव दिखाई देता है और सारी ऊर्जा हिंदी को केंद्र सरकार की भाषा बनाने में व्यय हो गई लगती है। हिंदी संपूर्ण “भारत संघ” की राजभाषा है और उसे संपूर्ण देश की संपर्क भाषा, व्यवहार की भाषा के रूप में कार्य करना है।

संभवतः हमें अपनी कार्ययोजना में बदलाव लाना होगा। हिंदी के प्रचार के लिए हमें नई मानसिकता विकसित करनी होगी, जिसका जुड़ाव राष्ट्रीय अस्मिता और स्वाभिमान से हो, राष्ट्रीय एकीकरण से हो और जिसकी शक्ति अनेकता में एकता हो। इसके लिए हम सभी को हिंदी को अपनाकर इस सामूहिक हवन में समिधा डालनी होगी। यह सभी की जिम्मेदारी है। पुनः इसका समाधान हमें बापू द्वारा 15 अगस्त, 1947 को बी.बी.सी. को दिए संदेश में प्राप्त होता है। उन्होंने कहा था “दुनिया से कह दो, गांधी अंग्रेजी भूल गया।”

केरिपुबल में राजभाषा हिंदी के संवर्धन, विकास तथा प्रचार-प्रसार के लिए महानिदेशालय की हिंदी शाखा कटिबद्ध है। राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के अंतर्गत प्रदत्त व्यवस्था के आलोक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) से प्राप्त निर्देशों के अनुसार महानिदेशालय के हिंदी अनुभाग का यह सतत प्रयास रहता है कि महानिदेशालय सहित इसके सभी अधीनस्थ कार्यालयों के कार्मिक अपना अधिक से अधिक कार्य मूल रूप से हिंदी में करें। अपनी टिप्पणियों आदि में आम बोल-चाल के शब्दों को अपनाएं जिससे सभी कार्मिक इसे आसानी से समझ सकें। इस कार्य में तेजी लाने के लिए अनेक प्रोत्साहन योजनाएं भी प्रत्येक स्वतंत्र कार्यालय स्तर पर प्रचलन में हैं। अंतिम किंतु उपर्युक्त से कम नहीं कि भाषा व्यक्ति एवं समाज को आपस में जोड़ने वाली एक सहज शक्ति है और राष्ट्र की अखण्डता एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में प्रादेशिक भाषाओं, समृद्ध साहित्य एवं प्रादेशिक भाषा सहित्यकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

घर के काम में मातृभाषा

हिन्दी दिवस

और दफ्तर में राजभाषा

एकता एवं अखण्डता कायम रहेगी। हममें से किसी को भी यह मालूम नहीं होगा कि अंग्रेजी के अक्षर 'ए' के बाद 'बी' तथा 'बी' के बाद 'सी' आदि क्यों आता है। शायद नहीं, और वास्तव में इसका कोई वैज्ञानिक कारण भी नहीं है। परन्तु, हिंदी का एक-एक अक्षर के पीछे अपना वैज्ञानिक तथा व्याकरणिक कारण है। जैसे- 'क'-वर्ग के बाद 'च'-वर्ग तथा 'च'-वर्ग के बाद 'ट'-वर्ग आदि। क्योंकि मूर्धा से ओष्ठ की तरफ जब श्वास को आगे धकेला जाता है उसी क्रमानुसार कंठ से होते हुए 'क'-वर्ग फिर आगे 'च'-वर्ग, 'ट'-वर्ग आदि आते हैं। अतः हिंदी भाषा अपने आप में परिपक्व, परिपूर्ण एवं सरल भाषा है जिसे हम प्रयोग करने से झिझकते हैं।

राजभाषा हिंदी का कारण सरकारी काम-काज में लागू किए जाने के पीछे देशभक्ति की भावना तथा सभी देशवासियों को एकसूत्र में पिरोना था यह भावना धूमिल सी होती दिखाई पड़ती है और हमें धूमिल होने से बचाने की जरूरत है। यह भी वास्तविकता है कि आज भी हमारे देश की अधिकांश जनता इसी भाषा को आम बोलचाल की भाषा में प्रयोग करती है। यह भी सत्य है कि यदि हम स्वयं राजभाषा के प्रति जागरूक हो जाएं तो यह भाषा अवश्य ही अपने मुकाम पर पहुंच जाएगी। जिसकी यह अधिकारिणी है। कुछ चुनिंदा व्यक्ति, समुदाय, वर्ग, प्रांत आदि द्वारा केवल अपनाने मात्राभर से हमारा यह कर्तव्य पूरा नहीं होता बल्कि सभी देशवासियों को इसके प्रति जागरूक होना होगा तभी हमारी राजभाषा हिंदी समृद्ध हो जाएगी।

हिंदी भाषा में इतनी सरलता एवं सुगम्यता है जिसके बल पर हम सभी इस भाषा में आसानी से संवाद कर लेते हैं। हालांकि, कुछेक मानक शब्दों के प्रयोग से मैनुअल अथवा संहिता की भाषाएं थोड़ी सी जटिल अवश्य लगती है जिसे बोझिल समझकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

है क्योंकि ऐसे शब्दों का प्रयोग इसके लिए आवश्यक होता है। हमें यह भी समझना होगा कि मानक शब्दों के प्रयोग से सदैव बचते रहेंगे तो ऐसे शब्दों से हम कभी भी परिचित नहीं हो पाएंगे और इससे हम अछूते रहते जाएंगे जो सदैव हमारे लिए बोझिल ही बना रहेगा। हाँ, रोचक एवं सुपाठ्य के दृष्टिकोण से अन्यत्र, आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग सुग्राह्य होगा। हिंदी भाषा को जितना प्रचारित करेंगे और अधिक से अधिक प्रयोग में लाएंगे तो अवश्य ही लक्ष्य के नजदीक पहुंच पाएंगे। वर्तमान में सभी कार्यालयों में हिंदी की ग्राह्यता बढ़ी है जिससे आसानी से सभी अपनी बात को सम्प्रेषित कर पाते हैं। भारत सरकार द्वारा भी इस ओर काफी जोर दिया जा रहा है, बल्कि गृह मंत्रालय द्वारा तो हिंदी में पत्राचार करने के संदर्भ में समय-समय पर निर्देश भी जारी किए जा रहे हैं। अब, हमें क्रियान्वयन की ओर और आगे बढ़ना है तथा हिंदी भाषा की ग्राह्यता को अभिरुचिपूर्वक अपने मुकाम तक ले जाना है।

**हम हिन्दुस्तान के वासिंदे, हिंदी हमारी भाषा है।
जन-जन के मुखारविन्द पर, राजभाषा की अभिलाषा है।।**

भरी-पूरी हों सभी बोलियाँ
यही कामना हिंदी है,
गहरी हो पहचान आपसी
यही साधना हिंदी है....



देश की भाषा-हिंदी



नि./हिं.अनु. के. सुन्दरेसन
महानिदेशालय, कोरिपुबल

हिंदी देश के जन-जन की भाषा है और देश के प्रत्येक क्षेत्र में बोली व समझी जाने वाली एकमात्र भाषा है। यहाँ तक की इस भाषा को हिंदीतर भाषी भी बोल व समझ लेते हैं। हिंदी देश की राष्ट्रभाषा होने के साथ-साथ अनेक राज्यों की राजभाषा भी है। आज हिंदी समस्त भारतवासियों के सम्पर्क की भाषा बन गई है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी का विकास हो रहा है। इसीलिए हिंदी भाषा आज राष्ट्रीय भाषा ही नहीं है अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप भी स्थापित कर चुकी है और जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में बोली जाने वाली दूसरी सबसे बड़ी भाषा है।

हिंदी एक अत्यन्त सरल, व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक भाषा है। इस भाषा में जो बोला जाता है, वही लिखा जाता है, इसलिए हिंदी को वैज्ञानिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी के विश्व स्तर पर प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने गुजरात के वर्धा में महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की है। हिंदी वैज्ञानिक भाषा होने के कारण ही आज हिंदी का विश्व के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। छः हिंदी सम्मेलनों से शक्ति प्राप्त कर हिंदी आज विश्व भाषा और संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनने की ओर अग्रसर है।

हिंदी को अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर लाने के लिए हमारे देश के कई राष्ट्राध्यक्षों ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों के समक्ष हिंदी में निःसंकोच सम्बोधित कर यह साबित किया है कि हिंदी भारत के लोगों की जन-जन की ही भाषा नहीं रह गई है अपितु अब अन्तर्राष्ट्रीय भाषा भी बन गई है। जब हमारे देश के राष्ट्राध्यक्ष विश्व पटल पर हिंदी में अपनी अभिव्यक्ति कर रहे हैं तो हम कुछ लोगों को हिंदी भाषा के प्रति उपेक्षाओं

की दृष्टि रखने का हक नहीं है। यह एक कठोर सत्य है कि आज हिंदी को उपेक्षाओं की दृष्टि से भी देखा जाता है क्योंकि कई ऐसे संकीर्ण विचार धारा वाले लोग हैं जो हिंदी जानते हुए भी अपनी अभिव्यक्ति हिंदी में न कर अंग्रेजी में करके अपने आपको गौरवाचित समझते हैं और अंग्रेजी की दुहाई देते हैं। ऐसे व्यक्तियों की सोच में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

हिंदी फिल्मों/गानों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पसंदीदा भाषा है। विज्ञापन जगत की तो यह आधार भाषा बन गई है। विज्ञापन अंग्रेजी में होने पर भी “टैग लाईन” हिंदी में होना, हिंदी के प्रति जनता के बढ़ते प्रेम को दर्शाता है। इसीलिए नई पीढ़ी केवल हिंदी को पारिवारिक व सामाजिक व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार कर चुकी है अतः नई पीढ़ी हिंदी की जानकार हो गई है। डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा सन् 2012 में किए गए शोध अध्ययन के अनुसार विश्व में हिंदी जानने वाले कुल 1200 मिलियन हैं जो विश्व के कुल जनसंख्या 07 अरब का 17.17 प्रतिशत है अर्थात् हर छठवाँ व्यक्ति हिंदी जानता है।

आइए! हम हिंदी दिवस अर्थात् 14 सितम्बर 2021 को यह संकल्प लें कि आज से अपने समस्त सरकारी काम-काज में हिंदी को अपनाते हुए इसे न सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाने का पुरजोर प्रयास करें अपितु विश्व पटल पर भी देश के कर्णाधारों द्वारा अपने विचार हिंदी में प्रस्तुत करके सभी देशों के सामने इसे राजभाषा होने का सही सम्मान और गौरव दिलायें। तभी तो आने वाले समय में हिंदी के अच्छे दिन आएंगे।

हमारे स्वाभिमान का प्रतीक- हिंदी



उ.नि./ मंत्री. कृष्णा कुमार
महानिदेशालय, केरिपुबल

भारत के संविधान ने देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को 1950 के अनुच्छेद 343 के तहत देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। इस दिन को याद करने के लिए ही 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है। यह हर साल हिंदी के महत्व पर जोर देने और हर पीढ़ी के बीच इसको बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है जो अंग्रेजी से प्रभावित है। यह युवाओं को अपनी जड़ों के बारे में याद दिलाने का एक तरीका है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कहाँ तक पहुँचे हैं और हम क्या करते हैं अगर हम अपनी जड़ों के साथ मैदान में डटे रहें और समन्वयित रहें तो हम अपनी पकड़ मजबूत बना लेंगे।

यह दिवस हर वर्ष हमें, हमारी असली पहचान की याद दिलाता है और देश के लोगों को एकजुट करता है। जहाँ भी हम जाएँ हमारी भाषा, संस्कृति और मूल्य हमारे साथ बरकरार रहने चाहिए और ये एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। हिंदी हिन्दुस्तान की भाषा है। राष्ट्रभाषा किसी भी देश की पहचान और गौरव होती है। हिंदी के प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है और इसी कर्तव्य हेतु हम 14 सितंबर के दिन 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं। हिंदी दिवस एक ऐसा दिवस है जो हमें देशभक्ति की भावना के लिए प्रेरित करता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदी भारत में सबसे अधिक व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा है और इसे भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में स्वीकृत किया गया है, परन्तु भारत में अधिकांश विद्यालय इसे महत्वहीन मानते हैं। अंग्रेजी को अधिक महत्व दिया जाता है और मौखिक और लिखित अंग्रेजी दोनों सीखने पर दबाव बनाया जाता है।

बच्चे आज एक अलग मानसिकता के साथ बड़े हो रहे हैं, उनके हिसाब से जो व्यक्ति अंग्रेजी बोलता है वह

सब कुछ जानता है और अन्य लोगों— जो अंग्रेजी नहीं जानते हैं के मुकाबले बेहतर हैं। जो लोग साक्षात्कार या अन्य जगहों पर हिंदी बोलते हैं उन्हें कमतर आंका जाता है। इस मानसिकता को बदला जाना चाहिए। यह सच है कि अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा है और इसे विशेष रूप में प्राथमिकता दी जाती है और छात्रों द्वारा मौखिक और लिखित रूप से प्रयोग में लाने वाली अंग्रेजी को सुधारना गलत नहीं है। हालांकि उन्हें यह नहीं समझना चाहिए कि हिंदी किसी भी वजह से अंग्रेजी से कम है। यह समय है कि विद्यार्थियों को दोनों भाषाओं, अंग्रेजी और हिंदी को एक जैसा मानना और सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए।

जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है, वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाने से साबित होता है कि सत्ता में रहने वाले लोग अपनी जड़ों को पहचानते हैं और चाहते हैं कि लोगों द्वारा हिंदी को भी महत्व दिया जाए। हिंदी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड सहित कई भारतीय राज्यों की आधिकारिक भाषा है। बिहार देश का पहला राज्य था जिसने अपनी एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में हिन्दी को अपनाया। आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाने से साबित होता है कि सत्ता में रहने वाले लोग अपनी जड़ों को पहचानते हैं और चाहते हैं कि लोगों द्वारा हिंदी को भी महत्व दिया जाए।



सउनि/मं. विवेक कुमार
महानिदेशालय, केरिपुबल

ईश्वर का आशीर्वाद पाने के लिए मन की पवित्रता के साथ-साथ शरीर की स्वच्छता भी अनिवार्य है, ठीक उसी प्रकार स्वस्थ तन एवं मन के लिए स्वच्छ वातावरण होना आवश्यक है। व्यवहारिक जीवन में हम देखते हैं कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व अपने-अपने धर्म के अनुसार ईष्ट देवों का आह्वान करने की प्रथा का प्रचलन अनादी काल से चला आ रहा है। इसके पीछे केवल धार्मिक कारण ही नहीं है अपितु इसका उद्देश्य स्वच्छ वातावरण के प्रति आदर प्रकट करना है ताकि हम और हमारा वातावरण स्वस्थ रहे और हम सभी स्वच्छ वातावरण में स्वस्थ रूप से फले फूलें। हमारे भारतीय संस्कारों में सदियों से एक मान्यता है कि जहाँ साफ सफाई होती है— **“वही पर लक्ष्मी का वास होता है।”** अर्थात् धर्मग्रंथ में स्वच्छता और साफ-सफाई को लेकर कई तरह के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि वातावरण स्वच्छ होने के साथ-साथ हमारा शरीर भी स्वस्थ रहे।

स्वच्छता-स्वस्थता एक दृष्टि में :-

हम सभी बहुत ही धार्मिक और पवित्र सोच के इंसान हैं पर हमारी स्वच्छता और पवित्रता सिर्फ हमारी पूजा गतिविधियों और रसोईयों तक ही सीमित रह गई है। स्वच्छ भारत का सपना हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने देखा था और इस संदर्भ में उन्होंने कहा था कि **“स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी है”** और **“निर्मलता और स्वच्छता दोनों ही स्वस्थ और शान्तिपूर्ण जीवन का अनिवार्य भाग हैं।”**

आज इस भाग-दौड़ के जीवन में स्वच्छता के महत्व से अनजान, जिस क्रूरता के साथ गंदगी फैलायी जा रही है उससे प्रकृति के साथ-साथ मानवता का स्वास्थ्य भी खतरे में पड़ गया है। मानव समाज की जो





स्वास्थ्य क्षीणता वर्तमान में हमें नजर आती है, उसके पीछे हमारी यह कल्पना **“स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत”** कहाँ तक सार्थक हो पाती है अब भविष्य ही तय करेगा। हालांकि सही मायने में भारत की सामाजिक दशाओं में सुधार जरूरी है जो स्वच्छता से संभव है। दरअसल, संख्या की दृष्टि से स्वच्छता की बुनियादी जड़ तक पहुँच न रख पाने वालों की सर्वाधिक जनसंख्या भारत में है। हमारे देश की कुल आबादी का 50 प्रतिशत आबादी बाहर शौच करती है जो आज स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ी चुनौती है और इस पहलू पर कारगर उपाय करने की नितांत आवश्यकता है।

स्वस्थ भारत के सपने को पूरा करने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी

हमारे स्वास्थ्य का साफ-सफाई से घनिष्ठ संबंध होता है, तभी तो जब हम गंदगी के संपर्क में आते हैं उसका कुप्रभाव सीधे हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। ये सत्य वचन है कि भारत सरकार का सफाई अभियान हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकता है लेकिन इसका दूसरा पहलू और भी महत्वपूर्ण है कि साफ-सफाई की महत्ता केवल सामूहिक जीवन में ही नहीं “बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक दृष्टि” से भी है। हमारे देश की करीब 50 प्रतिशत आबादी बाहर शौच करती है जो स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है। बाहर शौच करने की वजह से बीमारियाँ बढ़ती हैं जिसके कारण हमारे देश के हजारों शिशु प्रतिवर्ष मौत के मुँह में चले जाते हैं।

महात्मा गाँधी के विचारों के अनुसार— **“सफाई का कार्य मनुष्य स्वयं करें क्योंकि यह हमारा कर्तव्य है।”** गाँधी जी ने हमेशा सभी को अपना कार्य स्वयं करने की शिक्षा दी। यदि सभी अभिभावक शुरु से ही अपने बच्चों को स्वच्छता के विषयों में जागरूक करेंगे तो निश्चित रूप से बड़े होने के पश्चात भी स्वच्छता के प्रति उनकी भागीदारी अहम होगी। हम जानते हैं कि आज का स्वस्थ बच्चा कल का स्वस्थ नागरिक बनकर अपने देश के विकास में अपनी अहम भूमिका अदा कर यह नारा बुलंद कर सकता है कि— **“एक नया सवेरा लाएंगे, संपूर्ण भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाएंगे।”**

स्वस्थ भारत के लिए स्वच्छता के प्रति हमारा दृष्टिकोण

स्वच्छता अभियान को देशभक्ति की भावना से करना चाहिए। सरकार की परियोजना का लक्ष्य भारत को गंदगी मुक्त देश बनाना और ग्रामीण और शहरी इलाकों में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बनाना, पानी की आपूर्ति करना, सड़कें, फुटपाथ और बस्तियाँ साफ रखना और अपशिष्ट जल को स्वच्छ करना आदि हैं जिससे कि सभी भारतवासी स्वस्थ रहें। आजकल तो बच्चों से लेकर नवयुवकों और बुजुर्गों तक हर कोई बीमारी से ग्रसित होता है आखिर यह सब क्यों? दोस्तों, कहीं न कहीं इसमें सबसे बड़ा योगदान हमारे अस्वच्छ वातावरण का है। कारण कि वातावरण से ही जल, वायु प्रदूषित होते हैं जिससे सारी बीमारियाँ फैलती है। हमारा देश विश्व के सबसे युवा वर्ग वाला देश है। इसलिए आईए! हम सभी भारतवासी यह संकल्प लें कि — **“युवा शक्ति है सब पर भारी, चलो करो अब स्वच्छ भारत की तैयारी।”** क्योंकि किसी ने क्या खूब कहा है— **“जब जागो तभी सवेरा”** अर्थात् आईए एकजुट होकर हम सभी भारतवासी आज से ही यह दृढ़ निश्चय करें कि अपने देश को स्वच्छ बनाकर स्वस्थ जीवन यापन करते हुए महात्मा गाँधी के स्वस्थ भारत के सपनों को सकार करें।

निष्कर्ष

हम अपने **“स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत”** का सपना तब तक पूरा नहीं कर सकते, जब तक हम स्वच्छ भारत अभियान को देशभक्ति की भावना से जोड़कर नहीं देखेंगे। महात्मा गाँधी ने कभी स्वच्छता से समझौता नहीं किया। उन्होंने हमें आजादी दिलाई। अब हमें अस्वच्छता और अस्वस्थता से आजादी दिलानी है और इस सपने को साकार करने के लिए देश के हर एक नागरिक को अपने निचले स्तर से प्रयास करना होगा। तभी हम अपने वतन को **“स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत”** की उपाधि से विश्व पटल पर उदाहरण प्रस्तुत कर गर्व की अनुभूति करते हुए इस युक्ति को सार्थक कर सकते हैं — **“सफाई से खुद को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छता-स्वस्थता से पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाना है।”**



निरी./मंत्रा. सुभाष कुमार
सेक्टर कार्यालय जम्मू

के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल

बढ़ता चल बढ़ता चल,
के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल।

न घबराना चलता चल,
हम तेरे साथ खड़े हैं
जब भी तुझे पड़ी जरूरत
हम जी जान से लड़े हैं।
रुकना मत तू,
निरंतर चलता चल।।

बढ़ता चल बढ़ता चल,
के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल।

आने वाली पीढ़ियाँ,
बल की वीर गाथा गाएँगी,
कच्छ के मैदान की माँ
लौरिया जग को सुनाएँगी।
ऐसे पराक्रमी बल का,
तू भी जल पीता चल।।

बढ़ता चल बढ़ता चल,
के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल।

चाहे सुकमा हो या पुलवामा
ऐसे कई जख्म तूने सीने पर खाए हैं।
भारत माँ पर शहीद होकर,
इस बल ने अपने रूतबे बढ़ाए हैं।
न डर, उठ पैदा कर,
कोई नई हलचल।।

बढ़ता चल बढ़ता चल
के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल।

इस बल का हर जवान,
एक अलग पहचान रखता है।
भारत माँ पर मिट जाने में,
अपनी शान रखता है।।
इस लिए तू दुनिया का,
है सर्वश्रेष्ठ बल।।

बढ़ता चल बढ़ता चल,
के.रि.पु.बल तू बढ़ता चल।

रश्मि



निरी/जीजी जया कुमारी
100 बटा. द्रुत कार्य बल

दूर फिजाओं से कैसी आवाज ये आई है,
विकल नयन है, आहत स्वर से भारत माँ के
कंठन की आभास सी आई है।
मजहब के नाम पर लड़ते बेटे तेरे,
ये जात कहाँ से आई है।
खून एक हम सब का फिर ये
बात कहाँ से आई है।
सीमाओं पर विघटन के विद्रुप,
बादल मँडराते हैं।
घर के बेटे को लड़ते देख
पड़ोसी आँख दिखाते हैं,
पाकिस्तान एक था अब है चाइना,
नेपाल भी इठलाता है।
अपनी ताकत का दम्भ भरने वाला,
चाइना हमें बरगलाता है,
चाइनीज सामानों का इस्तेमाल
हमें नहीं करना है
स्वदेशी को अपनाकर बाँयकॉट
इसे करना है। भ्रम है यह दुश्मन देशों का
अलग-अलग हमें करने का, आपस
में हमको भिड़ाकर ताकत को कम करने का।
पार्टी पॉलिटिक्स का वक्त नहीं
अब मिलकर आगे आना है।
सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानियों की
ताकत को बतलाना है।
वीर शहीदों की कुर्बानी को
बर्बाद न होने देंगे, मिलकर
बदला लेंगे इसका, कम हिसाब
न होने देंगे।



सि./जीजी कमल किशोर मिश्रा
152 बटा. कैरिपुबल, असम

“मेरा वतन”

जहाँ चाँदी की रातें सोने के दिन,
वह मेरा वतन वह मेरा वतन।
जहाँ चाँदी की रातें सोने के दिन,
वह मेरा वतन वह मेरा वतन।।
हर शाम जहाँ कस्तूरी अगर,
हँसता है सवेरा बन केसरी।
चन्दन सा महकता बहता पवन,
वह मेरा वतन वह मेरा वतन।।
किसमिश की रंगत दीवाली,
जहाँ ईद भरे रस की प्याली।
रसखान जहाँ मीरा के भजन,
वह मेरा वतन वह मेरा वतन।।
जहाँ हिन्दू मुसलमाँ ईसाई,
मिलते हैं गले बनकर भाई।
है प्यार जहाँ का मीठा चलन,
वह मेरा वतन वह मेरा वतन।।
सच्चाई जहाँ की इमारत है,
सद्गुणों से भरा मेरा भारत है।
आओ मिल के करें इसकी रक्षा जतन,
यह मेरा वतन यह मेरा वतन।।

जय हिंद।

महानिदेशक के दौरे



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक के.रि.पु.बल का 76 बटालियन भ्रमण के दौरान सैनिक सम्मेलन।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा 102 बटालियन, द्रुत कार्य बल में पोस्ट कीमो केयर वार्ड का उद्घाटन।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, 102 बटालियन, द्रुत कार्य बल के अस्पताल में मरीजों का हालचाल पूछते हुए।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल का 102 बटालियन, द्रुत कार्य बल में अधिकारियों एवं जवानों के साथ जलपान के दौरान वार्तालाप।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल को पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन करते हुए उप महानिरीक्षक, नई दिल्ली, के.रि.पु.बल।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, रेंज मुख्यालय, नई दिल्ली, कार्यालय का निरीक्षण करते हुए।

महानिदेशालय के कार्यक्रम



पंखुडी श्रीवास्तव पुत्री श्री समीर कुमार श्रीवास्तव, कमाण्डेंट को वर्ष 2019-20 के कला संकाय में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर महानिदेशक ट्राफी से सम्मानित करते हुए महानिदेशक, के.रि.पु.बल।



पूजा बक्शी पुत्री उप निरीक्षक राजीव कुमार बक्शी को वर्ष 2019-20 के वाणिज्य संकाय में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर महानिदेशक ट्राफी से सम्मानित करते हुए महानिदेशक, के.रि.पु.बल।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, स्ततंत्रता दिवस के अवसर पर सलामी लेते हुए।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल स्ततंत्रता दिवस के अवसर पर जवानों को मिष्ठान वितरण करते हुए।



के.रि.पु.बल. द्वारा आयोजित व्यापक कोरोना टीकाकरण अभियान।

विविध कार्यक्रम



▲ 58 बटालियन के.रि.पु.बल द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को बर्तन एवं खेल-कूद के सामान का वितरण।



▲ वृक्षारोपण अभियान के तहत 179 बटालियन, के.रि.पु.बल के अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा पोधारोपण।



▲ क्षेत्रीय परिवार कल्याण संस्था, संबलपुर के तत्वाधान में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन।

आजादी का अमृत महोत्सव फिट इंडिया, फ्रीडम रन 2.0

75
आजादी का
अमृत महोत्सव





उपलब्धियाँ

परिचालन शाखा

जम्मू व कश्मीर क्षेत्र

02/07/2021

श्री उदय भास्कर डी., सहायक कमांड की कमान में 182 एवं 183 बटाल के जवानों ने 44 आरआर एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम हननबाला पु0स्टे0 राजपोरा जिला पुलवामा में नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान चलाया। परिचालन अभियान के दौरान टुकड़ियों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 05 आतंकवादियों को मार गिराया गया जिनकी पहचान 1. दानिश मंजूर शेख (एलईटी) निवासी जम्मू व कश्मीर, 2. रेहान पाकिस्तानी निवासी, 3. निशाज हुसैन लोन (एलईटी संगठन) निवासी जम्मू व कश्मीर, 4. आमिर वागे (एलईटी संगठन) और 01 अज्ञात आतंकवादी के रूप में हुई। मुठभेड़ के बाद तालाशी अभियान में मारे गए आतंकवादियों के पास से ए0के0 श्रेणी की 02 राइफल, एलएलआर राइफल-01, पिस्टल-02, ग्रेनेड-01 बरामद किया गया।

06/07/2021

एसएसबी ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर एक आतंकवादी को पकड़ा जिसकी पहचान मेहराउद्दीन हलाई उर्फ उबैद (श्रेणी - ए, एचएम संगठन) के तौर पर हुई। पूछ-ताछ के दौरान उसने आतंकवादियों के छिपने की जगह का खुलासा किया। आतंकवादी की सूचना के आधार पर ग्राम पाजीपोरा रेनन, पु0स्टे0 करालगुंड जिला कुपवाड़ा में एक संयुक्त नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान 92 बटालियन केरिपुबल, 32 आरआर एवं एसओजी के साथ मिलकर चलाया गया। आतंकवादियों के छिपने की जगह की तालाशी करते समय पकड़े गए आतंकवादी ने अपनी छुपी हुई ए0के0 47 राइफल उठा ली और जवानों पर अंधाधुंध फायर करने लगा और मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी मारा गया। मुठभेड़ के बाद तालाशी अभियान में आतंकवादी का शव और ए0के0 47 राइफल और इसके 56 कारतूस, ए0के0 मैगजीन 04 तथा बरामदगियों को जांच के लिए राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

07/07/2021

श्री डी0एस0 नेगी कमांडेंट, 183 बटालियन की कमान में 55 आरआर एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम बन पुच्छल

पु0स्टे0 पुलवामा जिला पुलवामा में एक संयुक्त नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान आतंकवादियों ने अभियान दल पर फायरिंग कर दी तथा मुठभेड़ में 02 आतंकवादी मारे गए जिनकी पहचान 1. इनायत अहमद डार पुत्र अब्दुल अहमद डार निवासी करनाबल, संबूरा पु0स्टे0 पम्पुर 2. किरफायत रमजान पुत्र एम0डी0 रमजान निवासी पदगमपोरा पु0स्टे0 अवान्तिपुरा के रूप में हुई। मुठभेड़ के बाद तालाशी अभियान में 02 आतंकवादियों के शव, ए0के0 47 राइफल-01, पिस्टल-01 बरामद हुई। मुठभेड़ के दौरान पीएजी शॉट 09-13, टीएसएम सेल एलआर प्लास्टिक बॉडी-24, स्टन लैंक सेल-03, एस/आर साफ्ट नोज प्लास्टिक बॉडी पावा चिली-05, एल/आर साफ्ट नोज प्लास्टिक बॉडी-07 प्रयोग किए गए।

08/07/2021

श्री यू0बी0 सिंह सहायक कमांड, 18 बटाल की कमान में प्रथम आरआर एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम जदूरा, पु0स्टे0 काजीकुंड जिला कुलगाम में नाकाबंदी और तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान प्रथम आरआर के जवानों के साथ आतंकवादियों की मुठभेड़ हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 02 आतंकवादी मार गिराए गए जिनकी पहचान 1. शाहबाज अहमद शाह उर्फ एसपी (जेईएम संगठन) पुत्र गुलाम हसन शाह निवासी कटरासू पु0स्टे0 कुलगाम जिला कुलगाम 2. नासिर अहमद पंडित (एचएम संगठन) पुत्र अयूब पंडित निवासी वनपोरा जिला कुलगाम के तौर पर हुई। मुठभेड़ के बाद तालाशी अभियान में आतंकवादियों के 02 शव, ए0के0 राइफल 01, पिस्टल-01, ए0के0 के 18 जिन्दा कारतूस, पिस्टल के 08 जिन्दा कारतूस, मैगजीन ए0के की 02, पिस्टल की 01 मैगजीन बरामद हुई।

08/07/2021

निरीक्षक/जीडी सुरेन्द्र सिंह-179 बटाल की कमान में 22 आरआर एवं राज्य पुलिस ने ग्राम अच्छल, दोएबाग, सोपोर जिला बारामूला में नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक ओजीडब्ल्यू पकड़ा गया जिसका नाम रेयाल अहमद गनी पुत्र सोनूल्लाह गनई निवासी दोएबाग सोपोर है जिसके पास से यूबीजीएल थ्रोअर-01, यूबीजीएल सेल-16, आपीजी-01, ए0के0 47 के 56 जिन्दा कारतूस, पिस्टल-12, नाईट विजन-01, आर्म्स पाउच-01, बैल्ट-02, वेपन सीलिंग-01 बरामद हुई।



09/07/2021

श्री चरण सिंह भानवरिया, सहा0 कमा0, 182 बटालियन की कमान में 55 आरआर के साथ ग्राम नैना भटपोरा, पु0स्टे0 लिटटर जिला पुलवामा में नाका लगाया। नाकाबंदी के दौरान एलईटी प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ता जिसका नाम औवेश अहमद वानी पुत्र गुलाम हसन वानी आयु-19 वर्ष निवासी भटपोरा को पकड़ा जिसके पास से 01 चाईनीज ग्रेनेड बरामद किया गया।

10/07/2021

श्री धर्मेन्द्र सिंह विसेन, कमांडेंट 96 बटालियन, केरिपुबल की कमान में डी/19 आरआर और राज्य पुलिस ने मिलकर ग्राम केवारीगम पु0स्टे0 अच्छबल जिला अनंतनाग में एक संयुक्त नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों और आतंकवादियों में मुठभेड़ हो गई जिसके परिणाम स्वरूप 03 आतंकवादी मारे गए जिनकी पहचान 1. आरिफ हजम (एलईटी संगठन) पुत्र गुलाम नबी हजम निवासी सदूर जिला अनंतनाग 2. बासित अहमद गनई पुत्र अब्दुल रशीद गनई निवासी अउदसू अच्छबल जिला अनंतनाग और 01 आतंकवादी की पहचान नहीं हुई।

14/07/2021

श्री नदीम समदानी कमांडेंट की कमान में 182 बटालियन केरिपुबल, 50 आर आर, 55 आरआर और एसओजी जे एंड के0 पुलवामा के साथ मिलकर जिला अस्पताल पुलवामा पु0स्टे0 पुलवामा जिला पुलवामा में एक संयुक्त नाकाबंदी एवं तालाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान 03 आतंकवादी (02 स्थानीय एवं 01 विदेशी) मारे गए जिनकी पहचान 1. माजिद राथेर निवासी ताहब पुलवामा 2. शाहनवाज गनी निवासी समबोरा पुलवामा एवं 3. अजाज अहमद उर्फ अबू हरैना (विदेशी आतंकवादी) के रूप में हुई एवं इनके शवों के पास से ए0के0 56 राइफल-01, ए0के0 47 राइफल-01 और पिस्टल-01 बरामद हुई।

16/07/2021

श्री ओम प्रकाश तिवारी, द्वि0क0अधि0 की कमान में 54 बटा0 की वैली क्यूएटी और राज्य पुलिस ने मिलकर संयुक्त नाकाबंदी एवं तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ हो गई। इस अभियान में 02 अज्ञात आतंकवादी मारे गए जिनके पास से 02 चाइनीज पिस्टल मैगजीन के साथ बरामद हुए।

18/07/2021

श्री संजीव कुमार सिंह, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 178 बटालियन की टुकड़ी, एस0ओ0जी0, 34 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने शोपियां जिलान्तर्गत ईमामसाहिब थाना के चक

सादिक खान ग्राम में कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 02 आतंकवादी क्रमशः इशाक अहमद डार उर्फ अबु अकरम (एल0ई0टी0) एवं माजिद इकाल भट्ट (टी0आर0एफ0) को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया:- ए0के0 47 रायफल - 02 नग, 7.69x39 का जिन्दा कारतूस - 175 नग, ए0के0 47 रायफल मैगजीन - 08 नग।

19/07/2021

श्री दिनेश, उप कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में 43 बटालियन की टुकड़ी, 53 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने बडगाम जिलान्तर्गत बडगाम थाना के बुडीबाग ग्राम में संयुक्त कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में 01 आतंकवादी मोहम्मद युसूफ मीर (एल0ई0टी0) एवं आतंकवादियों के मददगार 04 व्यक्तियों को पकड़ा गया तथा जिनके पास से चायनिज पिस्तौल - 01 नग, पिस्तौल का जिन्दा कारतूस - 08 नग, 7.62x39 एम0एम0 का जिन्दा कारतूस - 06 नग, पिस्तौल की मैगजीन - 01 नग, हैण्ड ग्रेनेड - 02 नग बरामद किया।

22/07/2021

श्री करतार सिंह, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 92 बटालियन, 177 बटालियन, 179 बटालियन की टुकड़ी, 22 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने बारामुला जिलान्तर्गत सोपोर थाना के वारपोरा ग्राम में संयुक्त कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 02 आतंकवादी क्रमशः फैयाज अहमद (आउटफीट एल0ई0टी0) एवं शरीन अहमद मीर (आउटफीट एल0ई0टी0) को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :- ए0के0 56 रायफल - 02 नग, ए0के0 56 का कारतूस - 136 नग, ए0के0 56 रायफल मैगजीन - 04 नग।

23/07/2021

श्री कैलाश नाथ, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 3 बटालियन की टुकड़ी, 13,14 एवं 31 आर0आर0 (पैरा/एस0एफ0), मार्कोस एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने बांदीपोरा जिलान्तर्गत बांदीपोरा थाना के शॉक जंगल क्षेत्र में सैडो अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 03 आतंकवादी क्रमशः शारिक अल्ताफ भट्ट एवं 02 गुमनाम को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :- ए0के0 47 रायफल - 03 नग, 7.62x39 का कारतूस - 280 नग, ए0के0 47 रायफल मैगजीन - 13 नग।

26/07/2021

श्री गोपाल सिंह, उप कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में 18 बटालियन की टुकड़ी, 62 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने



कुलगाम जिलान्तर्गत मंजगाम थाना के गुरवाटन जंगल क्षेत्र में कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 01 आतंकवादी अमीर हुसैन मीर को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया:— ए0के0 47 रायफल — 01 नग, पिस्तौल — 01 नग, 7.62x39 का कारतूस — 83 नग, 9 एम.एम. का कारतूस — 12 नग, ए0के0 47 रायफल मैग्जीन — 04 नग, पिस्तौल का मैग्जीन — 01 नग।

28/07/2021

श्री डी0बी0पी0 चौरसिया, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 185 बटालियन की टुकड़ी, 50 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस की टुकड़ी ने पुलवामा जिलान्तर्गत खैरु थाना के शरशली ग्राम में कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में 01 एच0एम0 आउटफीट आतंकवादी साहिल अहमद मीर को पकड़ा तथा जिसके पास से पिस्तौल—01 नग, मैग्जीन 02 नग, जिन्दा कारतूस 14 नग बरामद किया गया।

02/08/2021

श्री कैलाश नाथ, द्वि0क0अ0 (परिचालन) के नेतृत्व में 3 बटालियन की टुकड़ी, ए0एस0पी0 बांदीपोरा, 26 ए0आर0, मारकोस, पैरा कमाण्डो, एस0ओ0जी0 एवं राज्य पुलिस द्वारा बांदीपोरा जिला के पेठाकुट थानान्तर्गत ग्राम दर्दगुंड एवं चन्दाजी में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया गया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 01 विदेशी आतंकवादी बाबर अली उर्फ मालीह जो उगाडा पाकिस्तान का रहने वाला था, को मार गिराया। घटनास्थल से निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :— ए0के0 47 रायफल— 01 नग, ए0के0 47 कारतूस — 40 नग, ए0के0 47 मैग्जीन—02 नग।

06/08/2021

48 आर0आर0,एस0ओ0जी0 एवं राज्य पुलिस का आतंकवादियों से राजोरी जिला के थाना मण्डी थानान्तर्गत ग्राम बंगारी जंगल क्षेत्र में मुठभेड़ की सूचना प्राप्त होने पर श्री कैलाश चन्द्र अहलावत, द्वि0क0अ0, 72 बटालियन ने अपनी टुकड़ी के साथ कॉर्डन एवं सर्च अभियान में भाग लिया। मुठभेड़ के बाद सैन्य टुकड़ी द्वारा मारे गए 02 आतंकवादियों के शव तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :— ए0के0 47 रायफल— 02 नग, ए0के0 47 कारतूस — 232 नग, हैण्ड ग्रेनेड — 04 नग, मैग्जीन — 09 नग।

07/08/2021

श्री अशोक कुमार, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 181 बटालियन की टुकड़ी, 50 आर0आर0, एस0ओ0जी0 नवबाग एवं मुंचवा, राज्य पुलिस ने बडगाम जिला के चादूरा थानान्तर्गत ग्राम मुंचवा में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान गोरीपोरा, अवंतीपोरा निवासी शकीर बशीर

डार पुत्र बशीर अहमद नामक 01 आतंकवादी को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :— ए0के0 56 रायफल— 01 नग, चाइनीज पिस्तौल —01 नग, ए0के0 56 का जिन्दा कारतूस — 32 नग, चाइनीज पिस्तौल का जिन्दा कारतूस— 16 नग, ए0के0 56 रायफल का मैग्जीन — 02 नग, चाइनीज पिस्तौल का मैग्जीन — 02 नग।

07/08/2021

श्री एस0के0 वशिष्ठ, द्वि0क0अ0 (परिचालन) के नेतृत्व में 185 बटालियन की टुकड़ी, 50 आर0आर0 एवं राज्य पुलिस द्वारा पुलवामा जिला के खैरु थानान्तर्गत ग्राम खैरु में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में एल0ई0टी0 के 01 आतंकवादी, शबीर नजर पुत्र जीएच0 अहमद नजर जो वुयां खैरु का रहने वाला था को पकड़ा गया एवं निम्नलिखित सामग्री बरामद की गई :— चाइनीज पिस्तौल — 01 नग, चाइनीज पिस्तौल का कारतूस — 07 नग, ए0के0 47 कारतूस — 50 नग, चाइनीज ग्रेनेड — 01 नग, आई0ई0डी0 — 05 कि0ग्रा0 (लगभग)।

08/08/2021

श्री पंकज कुमार, सहा0 कमा0, के नेतृत्व में 52 बटालियन की टुकड़ी, 17 आर0आर0 एवं एस0ओ0जी0 द्वारा किस्तवार जिला के दक्षण थानान्तर्गत कालेंगासु में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में एच0एम0 के 02 आतंकवादी, उस्मान कादिर पुत्र गुलाम कादिर तथा यासिर हुसैन पुत्र गुलाम रसूल जो किश्तवार का रहने वाला था को पकड़ा गया एवं निम्नलिखित सामग्री बरामद की गई:— पिस्तौल — 01 नग, मैग्जीन — 01 नग, यू0बी0जी0एल0 का जिन्दा कारतूस — 02 नग।

10/08/2021

श्री सुधीर कुमार दुबे, सहा0 कमा0, के नेतृत्व में 132 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस द्वारा श्रीनगर जिला के कोठीबाग थानान्तर्गत लाल चौक (मक्का मार्केट) में एरिया डोमिनेशन के दौरान ओ0जी0डबल्यू0 (जे0ई0एम0) के आदिल फारुक पुत्र फारुक अहमद भट्ट जो खैरु, पम्पोर का रहने वाला था को 02 ग्रेनेड के साथ पकड़ा गया।

12/08/2021

श्री आबिद हुसैन, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 46 बटालियन की टुकड़ी, 1 आर0आर0, एस0ओ0जी0 एवं राज्य पुलिस ने कुलगाम जिला के काजीगोंड थानान्तर्गत ग्राम मलपोरा चौक में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में मुठभेड़ के दौरान 01 आतंकवादी को मार गिराया तथा निम्नलिखित सामग्री बरामद किया गया :— आर0पी0जी0 लॉन्चर — 01 नग, आर0पी0जी0 लॉन्चर का कारतूस — 04,



ए0के0 सीरीज का रायफल— 01 नग, ए0के0 सीरीज रायफल का मैग्जीन — 03 नग, ग्रेनेड — 02 नग।

12/08/2021

आतंकवादियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के समीप मालपोरा, मीर बाजार जिला कुलगाम में सीमा सुरक्षा बल की 67 बटालियन के काफिले पर हमला बोल दिया। 46 बटालियन, के0रि0पु0बल के जवान जो राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर आरओपी ड्यूटी के लिए तैनात थे उन्होंने तत्काल और कुशलता के साथ जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों की नापाक साजिश को नाकाम कर दिया जिसके कारण जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। तदोपरान्त इस अभियान में के0रि0पु0बल के अलावा भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के दलों ने भाग लिया। यह अभियान 13/8/21 को पूरी रात चला और रूक-रूककर गोलीबारी होती रही। इस अभियान में पाकिस्तानी मूल के खूंखार आतंकवादी उस्मान भाई को ढेर कर दिया गया जिसके पास से 01 नग ए0के0 47 राइफल, मैग्जीन, आरपीजी लांचर और आरपीजी रॉकेट के गोलों सहित भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद बरामद किया गया। के0रि0पु0बल के जवानों की सतर्कता और उनके तुरन्त जवाबी हमले ने आतंकवादियों के 15 अगस्त से पहले किए जाने वाले हमले के मंसूबों को विफल कर दिया और काफिले में यात्रा कर रहे 600 से अधिक जवानों की जान बचाई। महानिदेशक के0रि0पु0बल ने जवानों के अद्वितीय साहस की प्रशंसा की और उन्हें महानिदेशक डिस्क से सम्मानित किया।

13/08/2021

श्री अश्वनी वर्मा, सहा0 कमा0, के नेतृत्व में 52 बटालियन की टुकड़ी, 17 आर0आर0, एस0ओ0जी0 एवं राज्य पुलिस द्वारा किस्तवार जिला के कुलां में साझा कॉर्डन एवं सर्च अभियान चलाया। उक्त अभियान में एच0एम0 के 01 आतंकवादी, मुजमिल हुसैन पुत्र ए0बी0 रशीद शाह जो किस्तवार जिला के ग्राम मीरना पतीमहाल का रहने वाला था को पकड़ा गया एवं निम्नलिखित सामग्री बरामद की गई :- 7.69x39 एम0एम0 का जिन्दा कारतूस — 30 नग, चइनीज ग्रेनेड — 01 नग, ए0के0 47 का मैग्जीन — 01नग।

एलडब्ल्यूई क्षेत्र

छत्तीसगढ़

03/07/2021

किस्ताराम एरिया कमेटी के एक नागरिक सेना (मिलिशिया) कमांडर नाम पोडीअम संना (उम्र -26 वर्ष, 01 लाख का ईनामी) ने 212 बटालियन, सीआरपीएफ तथा राज्य पुलिस

के सामने 01 आरमार बंदूक तथा टिफिन आईडी -01 (05 किलोग्राम) के साथ आत्मसमर्पण किया।

03/07/2021

कोबरा की टुकड़ी ने इथापे पंडित किसन राव, उप. कमांडेंट - 206 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ ग्राम-टोकनपल्ली, थाना - चिंतागुफा, जिला- सुकमा में सर्च ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी ने 02 जन मिलिशिया सदस्य नाम 1. मुचाकी हुंगा (उम्र-19 वर्ष, निवासी- छत्तीसगढ़), 2. नूपो हदमा उर्फ चेतू पितानंदा (उम्र-25 वर्ष, निवासी- छत्तीसगढ़) को पकड़ा।

04/07/2021

श्री रंजीत मंडल, उप कमांडेंट- 206 कोबरा के नेतृत्व में कोबरा की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम-मिनपा, पीएस- चिंतागुफा, जिला- सुकमा में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 03 वारंटी माओवादियों को पकड़ा, जिनकी पहचान 1. पोडियामी भीमा (उम्र-34 साल, निवासी-छत्तीसगढ़), 2. उंडम मंगदू (उम्र-42 साल, निवासी-छत्तीसगढ़), 3. वेको हुंगा (उम्र-21 वर्ष) निवासी छत्तीसगढ़ के रूप में हुई।

08/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री सुधीर कुमार सिंह- 02 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ तलाशी अभियान (कासो) चलाया। ऑपरेशन के दौरान, टुकड़ी ने पोडियान नंदा नाम का 01 जन मिलिशिया सदस्य, पुत्र-पोडियान भीमा, आयु-37 वर्ष, निवासी-राबरीपारा, केरलपारा, सुकमा (छ.ग.) को पकड़ा।

09/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री अमरेंद्र कुमार रॉय, सहायक कमांडेंट-204 कोबरा के नेतृत्व में 13 आर.आर. और राज्य पुलिस के साथ गांव- एनकल, थाना - पामेड, जिला- बीजापुर में तलाशी अभियान (कासो) चलाया। ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी ने 01 सक्रिय जन मिलिशिया सदस्य जिसकी पहचान मडवी गंगा पुत्र माडवी पीडे, आयु- 30 वर्ष, निवासी एनकल (नाट्य मंडली- सी पी आई -माओवादी की सांस्कृतिक शाखा के सदस्य) के रूप में हुई को पकड़ा गया।

09/07/2021

03 माओवादियों ने 219 बटालियन, सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिनकी पहचान 1. देवे (कांगेरघाटी क्षेत्र समिति महपदार एलओएस सदस्य और 01 लाख इनामी) 2) माडवी भीम पुत्र माडवी एरा,



उम्र -32 वर्ष, (भूमकल मिलिशिया सदस्य), निवासी रेगरगेट्टा, थाना -भेजी, जिला- सुकमा, 3) मुचाकी गंगा पुत्रहांडा, आयु- 34 (डीएकेएमएस सदस्य), निवासी रेगरगेट्टा, थाना -भेजी, जिला- सुकमा के रूप में की गई थी।

14/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री आशीष कुमार दुबे, सहायक कमांडेंट- 196 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ गांव-नदपल्ली, पीएस- उसुर, जिला- बीजापुर में आरएसओ का अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। माओवादियों ने जवानों पर फायरिंग की जिसके बाद विस्फोट हुआ। टुकड़ी ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और जवाबी कार्रवाई में 7.62 मिमी-556 राउंड, 5.56 मिमी इन्सास -173 राउंड और यूबीजीएल -18 राउंड फायर किए। ऑपरेशन के दौरान एक बीजीएल में विस्फोट हो गया जिसके परिणामस्वरूप बल संख्या 175190917 सिपाही / जीडी मिथलेश कुमार को बीजीएल विस्फोट से चोट लग गई। उन्हें इलाज के लिए तुरंत मेडिकल अस्पताल जगदलपुर ले जाया गया। मुठभेड़ के बाद की तलाशी में 01 गंभीर रूप से घायल नागरिक नाम कोटम सोमा विस्फोट के कारण अपने घुटनों के बल बाहर आते हुए पाया। टुकड़ी ने 04 संदिग्धों संगम/मिलिशिया को गिरफ्तार किया जिनमें घायल नागरिक सहित नाम 1. आयतु लेकेम पुत्र पांडु, पत्नी लेखन देवी निवासी - नदपल्ली (नंदापारा), 2. कलमु बुधरा पुत्र कलमु मुखा निवासी - नदपल्ली (नंदापारा), 3. भीम लकमा, पुत्र- अयातु, नदपल्ली (नयापारा), 4. कोतम सोमा, निवासी नदपल्ली (नंदापारा) और लचीले तार 100 मीटर, ब्लाईंड / मिसफायरड यूबीजीएल- 04 राउंड बरामद किया। ऑपरेशन के दौरान एके-47 सफाई रोड और कुत्ते की ड्यूटी हार्नेस (बड़ा) खो गई।

15/07/2021

एक वारंटी नक्सली और एक सक्रिय संगम सदस्य नामतः मादिवी इरामय्या उर्फ हिडमा, पुत्र-केशा, आयु-38 वर्ष, निवासी-वीरगंगलर, मरराइगुडा, सुकमा (छत्तीसगढ़) ने 217 बटालियन और राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

16/07/2021

03 माओवादी नामतः 1. नुप्पो आयता (मिलिशिया सदस्य), पुत्र-नुप्पो लखमा, आयु- 30 वर्ष, निवासी-कोट्टागुडा, चिंतलनार, सुकमा (छ.ग.), 2. मदकम हडमा (डीएकेएमएस सदस्य), पुत्र-सुक्का, आयु -30 वर्ष, निवासी- कोट्टागुडा, चिंतलनार, सुकमा (सीजी), 3. मुचाकी राम (संगम सदस्य), पुत्र- हांडा, आयु -30 वर्ष, निवासी - कोट्टागुडा, चिंतलनार, सुकमा (छ.ग.)) 201 कोबरा और राज्य पुलिस के अधिकारी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

20/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री. उज्जवल दत्ता, द्वितीय कमान अधिकारी 50 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी अभियान (कासो) को अंजाम दिया। ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी द्वारा 01 जन मिलिशिया सदस्य अर्थात् मडकम भीमा पुत्र मडकम दुला, आयु -26 वर्ष, निवासी वीरपुरम को गिरफ्तार किया गया था।

22/07/2021

श्री विजेंदर सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी- 206 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर चिंता गुफा का जंगली क्षेत्र, पुलिस स्टेशन: चिंतागुफा, जिला- सुकमा एससीओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 01 आरपीसी जन मिलिशिया का सदस्य जिसका नाम नुप्पोभीमा, पुत्र दुडवा, आयु -30 वर्ष, निवासी करीगुंडम है, को पकड़ लिया और प्राथमिकी दर्ज करके राज्य पुलिस को सौंप दिया।

25/07/2021

श्री इमानुएल बस्के, उप कमां. -212 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने डीआरजी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर कासाराम और पालोदी गांव के बीच का वन क्षेत्र, पीएस- किस्ताराम, जिला- सुकमा में एससीओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों द्वारा किस्ताराम क्षेत्र समिति के 01 सक्रिय मिलिशिया कमांडर, करनाम हुन्गा / टाइगर हुन्गा पुत्र राम, आयु-30 वर्ष, पालोदी गांव निवासी, पुलिस स्टेशन - किस्ताराम को गिरफ्तार किया गया और 01 भरमार राइफल और ग्रीन यूनिफॉर्म- 01 जोड़ी बरामद की गई।

25/07/2021

131 एवं 150 बटालियन की टुकड़ी ने श्री. हरीश चंद कैरा, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में, डीआरजी, एसटीएफ और राज्य पुलिस के साथ गांव- चिंतागुफा के पास, थाना - चिंतागुफा, जिला- सुकमा में एसएडीओ को अंजाम दिया। ऑपरेशन के दौरान, टुकड़ी ने 01 अज्ञात नक्सली को मार गिराया और निम्नलिखित बरामद किया: -01 नक्सली का शव, भरमार राइफल- 01 नग, देशी पिस्टल-01 नग, एसएलआर की मैगजीन सहित 6 गोली -01, टिफिन बम -01 नग, और अन्य विविध सामग्री।

30/07/2021

श्री इथापे पंडित किसन राव, उप कमांडेंट अधिकारी 206 कोबरा के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव : ताड़मेटला, पीएस- चिंतागुफा, जिला-



सुकमा में एरिया डोमिनेशन को अंजाम दिया। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 01 भाकपा (माओवादी) मिलिशिया सदस्य बरसे देवा पुत्र बरसे सोमदा, उम्र 35 वर्ष, निवासी ताड़मेटला को पकड़ लिया और माओवादी साहित्य और पर्चे बरामद किए।

01/08/2021

सुकमा जिला के करलापाल थाना क्षेत्र में 03 माओवादी मिलिशिया सदस्य क्रमशः कलमु मासा, रावा देवा एवं कलमु गंगा ने 2 बटालियन के 010 पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

04/08/2021

श्री अचला राम, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 150 एवं 119 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने सुकमा जिला के भेजी थानान्तर्गत ग्राम इट्टागिट्टा एवं गोरखा के बीच एरिया डोमिनेशन के दौरान 02 सक्रिय मिलिशिया सदस्य क्रमशः मदकम भीमा एवं मनोज नाग को पकड़ा।

05/08/2021

श्री संदीप कुमार बिजरनिया, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 74 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने सुकमा जिला के पोलमपल्ली थानान्तर्गत गोरगुडा एवं पोलमपल्ली कैम्प के बीच नाका ड्यूटी के दौरान 01 वारंटी माओवादी करतम सिंगा जो कि जन मिलिशिया सदस्य था को मोटरसाइकिल सहित पकड़ा।

06/08/2021

दन्तेवाड़ा जिला के कुआकोंडा थाना क्षेत्र में 01 जन मिलिशिया सदस्य (10,000 रु0 इनामी) हुरा कुंजन ने 111 बटालियन के 010 पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

10/08/2021

सुकमा जिला के केरलापाल थाना के ग्राम बोडगुरा में 01 माओवादी (5,000 रु0 इनामी) किशके चिंगा उर्फ हिंगा ने श्री योगेन्द्र कुमार यादव, सहा0 कमा0 बी/2 बटालियन के 010 पु0बल एवं थानाध्यक्ष केरलापाल के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

10/08/2021

श्री गजेन्द्र सिंह सोंगरा, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 222 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने बिजापुर जिला के नईमेद थानान्तर्गत ग्राम कोडेपल में एम0सी0पी0 अभियान के दौरान 01 माओवादी दशरू अवलम जो कि संगम सदस्य था को पकड़ा।

12/08/2021

श्री प्रेम सिंह, कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में 151 बटालियन एवं 204 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने बिजापुर जिला के पामेड थानान्तर्गत अमपुर एवं संदराबोर के बीच में कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान के दौरान 01 जन मिलिशिया सदस्य कडवी हुंगा को पकड़ा।

13/08/2021

पुलिस अधीक्षक, दन्तेवाड़ा कार्यालय में 02 माओवादी क्रमशः 8 लाख एवं 5 लाख के ईनामी माओवादी राजू उर्फ रोशन तांती एवं जीरा उर्फ सुकलु अल्मी ने श्री विनय कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक (परि0), के 010 पु0 बल दन्तेवाड़ा एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

14/08/2021

श्री मदन मोहन, द्वि0क0अ0 के नेतृत्व में 170 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने बिजापुर जिला के माददेद थानान्तर्गत ग्राम चेराकुटा में कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान के दौरान 03 सक्रिय जन मिलिता कैडर/माओवादी क्रमशः रमैय्या, गुज्जोकुडियम एवं नगैय्या को 01 भरमार बंदूक के साथ पकड़ा।

15/08/2021

श्री रमेश कुमार, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 85 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने बीजापुर जिला के बीजापुर थानान्तर्गत ग्राम चिलनार में एरिया डोमिनेशन के दौरान 01 वारंटी माओवादी उड़सा राजू को पकड़ा।

16/08/2021

श्री सुमित्र रॉय, कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में 201 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने सुकमा जिला के चिन्तलनार थाना क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन के दौरान 03 माओवादी क्रमशः बरसे भीम, मडवी लक्का एवं मडवी कोसा को पकड़ा।

17/08/2021

श्री अनिल कुमार, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 199 बटालियन की टुकड़ी ने बीजापुर जिला के मिरतुर थानान्तर्गत ग्राम पिनकोंडा में एरिया डोमिनेशन के दौरान 03 माओवादी क्रमशः राजेश नायक, कैलाश नायक एवं अंकेश राठौर को पकड़ा।

बिहार

06/07/2021

श्री संदीप, उप कमांडेंट— 215 बटालियन के नेतृत्व में केरिपुबल की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर क्षेत्र — सुकुलबथन, पीएस—चकाई, जिला— जमुई में तलाशी



अभियान चलाया। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने राम सोरेन, आयु- 40 वर्ष, पुत्र सुखू सोरेन, ग्राम-सुकुलबथन, निवासी- जमुई (बिहार) नामक एक वारंटी को पकड़ लिया।

14/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री संदीप, उप कमांडेंट- 215 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ गांव-भोदावंतलाब, पीएस- जमुई, जिला- जमुई में एरिया पेट्रोलिंग ड्यूटी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, टुकड़ी ने 01 वारंटी माओवादी धर्मेन्द्र यादव, आयु -46 वर्ष, पुत्र- स्व. विनय कुमार यादव, निवासी- थंवन, चटकथर, जमुई को पकड़ लिया।

27/07/2021

श्री अमर राज, सहा.कमा. - 215 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने 32 बटा. एसएसबी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव: खिरिया, पीएस- बरहट, जिला- जमुई में तलाशी और विनाश अभियान (सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन) चलाया। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 01 माओवादी सपन मांझी उर्फ सपन संधाल, पुत्र मन्हाला हेम्ब्रम, उम्र 24 वर्ष, गांव-चिलखाखर, पीएस-चरखापाथेर, जिला-जमुई (बिहार) को पकड़ा।

29/07/2021

श्री अविनाश कुमार रॉय, सहायक कमांडेंट- 215 बटालियन के नेतृत्व में केरिपुबल की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव -केवल, पीएस-चंद्रमंडी, जिला-जमुई में एरिया डोमिनेशन चलाया। अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 01 वारंटी नाम जलधर पासवान पुत्र पैकरू पासवान, आयु-46 वर्ष, निवासी ग्राम-केवल, पीएस- चंद्रमंडी, जमुई(बिहार) को पकड़ा। पकड़े गए माओवादियों को राज्य पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस स्टेशन चंद्रमंडी में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

01/08/2021

श्री पी0जे0 मनीकंडन, सहा0कमा0 के नेतृत्व में 207 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने लखीसराय जिला के कजरा थानान्तर्गत ग्राम श्रीकिशन एवं रामतली क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन के दौरान 01 वारंटी हार्डकोर माओवादी मिठु कोड़ा उर्फ चैतु कोड़ा को पकड़ा।

झारखंड

07/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री. आलोक रंजन, उप कमांडेंट 07 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ गांव- टोला मारवा, थाना - चकाई, जिला- जमुई में सीएएसओ

का अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, टुकड़ी ने मुंशी माही उर्फ मुन्सी मुर्मू दस्ता नाम का सी पी आई (एम) का सदस्य, पुत्र-स्वर्गीय बुधन मुर्मू आयु-39 वर्ष, गांव-टोला मारवा, थाना-चकाई, जिला-जमुई (बिहार) को पकड़ा।

08/07/2021

03 माओवादियों अर्थात् 1. उषा किस्कु उर्फ उषा संधाली उर्फ फुलमोनी, आयु -27 वर्ष, पुत्री - चेतो मांझी, पत्नी - चंदन मुंडा, निवासी- हरली, अंगो, जिला-हजारीबाग (झारखंड) (सक्रिय सदस्य 1 लाख इनामी) 2. सरिता सोरेन उर्फ ममता संधाली, उम्र-19 वर्ष, पुत्री - अर्जुन सोरेन, पत्नी - चंदन मुंडा, निवासी- हरली, अंगो, जिला-हजारीबाग (झारखंड) (सक्रिय सदस्य) और 3. नागेश्वर गंजू, आयु- 38 वर्ष, पुत्र- बानोदी गंजू, निवासी- दुधामटिया, थाना -सिमरिया, जिला-चतरा ने सीआरपीएफ के 22 बटा. और 203 बटा. कोबरा के अधिकारियों की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया।

15/07/2021

203 एवं 209 कोबरा की टुकड़ी ने श्री सुरेंद्र कुमार, कमांडेंट के नेतृत्व में, राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव - कुकुरंजा और कदलदाग पहाड़, थाना - गुमला, जिला- गुमला में एसएडीओ को अंजाम दिया। ऑपरेशन के दौरान जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। **मुठभेड़ के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को मार गिराया जिसकी पहचान बुद्धेश्वर उरांव के रूप में हुई** जिस पर आरसीएम -15 लाख इनाम था और एके -47 राइफल -01, 5.56 मिमी इंसास राइफल -02 नग (बॉडी नंबर 18109287 और एच 8196-16973997), एके -47 अमुनिशन -66 राउंड, 5.56 मिमी जिंदा कारतूस-156 राउंड, 7.62x39 मिमी जिंदा कारतूस -01 राउंड, टिफिन बॉम्ब-04 नग, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर-12 नग, नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर-27 नग, कैश-49000 / -, प्रेशर आई.ई.डी.-28 नंबर (यथास्थान नष्ट किया गया), टिफिन आईईडी-01 नग (01 किलोग्राम लगभग), मैगजीन-8 नग, फ्लेक्सिबल वायर-50 मीटर, छोटी बैटरी, माओवादी साहित्य और अन्य विविध सामान बरामद किया गया।

16/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने श्री. पी. आर मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी- 94 बटालियन के नेतृत्व में, राज्य पुलिस के साथ गांव: बारा केसल, थाना: गुदरी, जिला- पश्चिम सिंहभूम में एससीओ को अंजाम दिया। ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। **ऑपरेशन के दौरान टुकड़ी ने 01 पीएलएफआई जोनल कमेटी के सदस्य, सांचीर सुरीन, उम्र -40 वर्ष, पुत्र-चरका सुरीन, निवासी सरिता, कामदरा, गुमला, झारखंड (10 लाख इनामी) को मार गिराया और 9 एमएम पिस्तौल-01 नग एवं देशी निर्मित 7.56 एमएम**



पिस्टल-01 नग, 22 नग जिंदा कारतूस, पिस्टल मैगजीन-02 नग, खाली केस-07 नग, वायरलेस सेट-01 नग, बाइक-08 नग, पिट्टू -03 नग, पाउच-03 नग, मोबाइल-06 नंबर, सिम कार्ड-01 नंबर और पीएफएलआई लेवी कनेक्शन रसीद बरामद किया।

20/07/2021

श्री देशराज, सहायक कमांडेंट, 60 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ सीआरपीएफ ने ग्राम-बिरदा/ इतिहासा, थाना-बंदगाँव, जिला-पश्चिमी सिंहभूम में तलाशी एवं खात्मा अभियान चलाया। अभियान के दौरान टुकड़ी ने 01 पीएलएफआई एरिया कमांडर जिसे अजय पुरती उर्फ मनोज पुरती उर्फ बिरसा हससा पुरती उर्फ बूधा उर्फ रुता, पुत्र सोनिका पुरती उर्फ कटरों पुरती, उम्र-35 वर्ष निवासी-गदमरा, थाना-मरंघड़ा, जिला-खूंटी (झारखंड) के साथ 07 पीएलएफआई के दस्ते के सक्रिय सदस्य जिसे अकीला सनदी पुरती / दिबोदी पुत्र टिटूस सनदी पुरती, उम्र -22 वर्ष, निवासी-ग्राम-ओमान, थाना-बंदगाँव जिला- सिंहभूम, दुपन उर्फ तोपन कंडुलना पुत्र मंसूक कंडुलना, उम्र-20 वर्ष निवासी ग्राम-ऑलमोकोड, थाना-टेबओ, जिला-पश्चिमी सिंहभूम, हरमन सिंदी पुरती उर्फ सुखराम पुरती पुत्र एतबा सनदी पुरती, उम्र-19 वर्ष निवासी-किटा, थाना -बंदीगाँव, जिला पश्चिमी सिंहभूम, डोसरो मुंडा पुत्र रामसाई मुंडा, उम्र-25 वर्ष, निवासी ग्राम-कोनासिया टोला सिरजोम, थाना-बंदीगाँव, जिला -पश्चिमी सिंहभूम, पोलुस सनदी पुरती पुत्र जोसेफ सनदी पुरती, उम्र-22 वर्ष निवासी ग्राम- कोनासिया टोला सिरजोम, थाना- बंदीगाँव, जिला -पश्चिमी सिंहभूम, गालू सनदी पुरती, उम्र-19 वर्ष, निवासी ग्राम-कोन्टरी, थाना-बंदीगाँव, जिला-पश्चिमी सिंहभूम एवं प्रभु सहाय सिरुम पुत्र जोहन सिरुम, उम्र-26 वर्ष निवासी ग्राम-सिंदूरीबेरा, थाना-बंदीगाँव, जिला -पश्चिमी सिंहभूम को गिरफ्तार किया तथा निम्नलिखित सामान की बरामदगी की गई:- देशी कट्टा -2 नग, 8 एमएम(केएफ) जिंदा कारतूस-05 नग, पीएसडी जिंदा कारतूस -02 नग, केवाईएन जिंदा कारतूस -01 नग, काले रंग का पिस्टल लटकाने वाला-01 नग, थैला -05 नग, आइटेल कीपैड मोबाइल -02 नग, एयरटेल सिम -2 नग, लावा मोबाइल-01 नग, बीएसएनएल 4जी सिम -01 नग, मोबाइल चार्जर-2 नग, एयरटेल 4 जी सिम -02 नग, माइक्रोमैक्स मोबाइल -01 नग, एंड्रॉयड फोन -01 नग, बॉउफेंग कंपनी वालकी- टाकी सेट -01 नग, बॉउफेंग कंपनी वालकी- टाकी चार्जर -01 नग, पीएलएफआई ए -4 साइज पर्चा -03 नग, पीएलएफआई चन्दा रसीद -04 नग, बजाज प्लटिना बाइक -01 नग(पंजीकरण संख्या जेएच 01 डी एल 4791), हीरो ग्लैमर बाइक-01 नग।

06/08/2021

श्री अजय कुमार, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में 7 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने गिरीडीह जिला के भेलघाटी थानान्तर्गत ग्राम सलैयाटांड में कॉर्डन एण्ड सर्च अभियान के दौरान 01 माओवादी परवेश दा उर्फ बालेश्वर दा उर्फ बलबीर दा जो कि दस्ता सदस्य था को पकड़ा।

11/08/2021

श्री बी0 प्रभाकरण, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में 214 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने लातेहार जिला के गारु थानान्तर्गत ग्राम सुरकुमी में सर्च एण्ड डिस्ट्रॉय अभियान के दौरान 01 सक्रिय माओवादी मिथिलेश कुमार यादव उर्फ विपलव जी को पकड़ा।

तेलंगाना

16/07/2021

सीआरपीएफ की टुकड़ी ने इंस्पेक्टर/जीडी ए.आर.एम गैधाने - 39 बटालियन के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव: तडापतली- पुजारीकांकर वन क्षेत्र, थाना - वेंकटपुरम, जिला- मुलुगु में एरिया डोमिनेशन का अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, टुकड़ी ने 02 सी पी आई (माओवादी) कोरियर नाम - कीकिडी भीमा उर्फ डेगगडू उर्फ डेगला उर्फ भीमाडु उर्फ मुकिडी इदुमा पुत्र देवा, आयु-30 वर्ष, निवासी-पुजारी कंकर, मण्डल उसूर, बीजापुर (छत्तीसगढ़) और 2. दादी रमेश, पुत्र-कन्नैया, आयु-35 वर्ष, निवासी कांकर मंडल उसूर, बीजापुर (छ.ग.) को पकड़ा और कॉर्डेक्स वायर-35 मीटर, डेटोनेटर-02 नग, प्रेशर कुकर/आईईडी कंटेनर -02 नग, विद्युत तार-11 मीटर, छोटे लोहे के टुकड़े-120 नग, संलग्न तार के साथ एवरीडे की छोटी बैटरी-04 नग और काले एवं लाल रंग के विद्युत तार-01 बंडल बरामद किया।

26/07/2021

निरीक्षक/जीडी सीताराम सिंह - 141 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने ग्रेहाउंड और राज्य पुलिस के साथ मिलकर आर कोटागुडम सेकुर्नापल्ली जंगल के बीच के क्षेत्र में, में एरिया डोमिनेशन को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों द्वारा 05 भाकपा माओवादी सदस्यों को पकड़ा गया, जिनकी पहचान 1) पांडु अदमय्या पुत्र अर्मय्या, आयु- 25 वर्ष, 2) रवा बंडी पुत्र नन्दैया, आयु- 26 वर्ष, 3) मदवी लक्ष्मीया पुत्र अन्धय्या, आयु- 24 वर्ष, 4) अनजम गंगय्या पुत्र जोगा, आयु- 22 वर्ष और 5) सोदी बुधरिया पुत्र इतय्या, आयु- 19 वर्ष के रूप में हुई। ये सभी सीपीआई (एम) सदस्य बुरुगुपाडु (टीएस) से संबंधित हैं और इनके पास से 05 बैनर और 30 पैम्फलेट भी बरामद हुए।



01/08/2021

श्री सुबीर कुमार मण्डल, सहायक माओवादी के नेतृत्व में 141 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने भद्रादरी कोठगुडम जिला के चेरला थानान्तर्गत बोडानल्ली से कुरनापली के बीच एरिया डोमिनेशन के दौरान माओवादियों से हुई मुठभेड़ के दौरान 01 माओवादी का शव, 303 रायफल -01 नग एवं 02 किट बैग बरामद किया गया।

04/08/2021

खम्माम जिला के डुम्मुगुडम थानान्तर्गत ग्राम लिंगुडी में 03 माओवादी क्रमशः मदकम मारेह, मडकम पाण्डु एवं मडकम चुकम्मा 141 बटालियन के 010 पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

आंध्रप्रदेश

27/07/2021

श्री बीरेंद्र कुमार, सहायक माओवादी - 234 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव- आर.वी. नगर, पीएस -जी.के.वीधी, जिला- विशाखापत्तनम में एरिया डोमिनेशन को अंजाम दिया। सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान, 04 मिलिशिया सदस्यों अर्थात् 1) कोरामुस्त्यसा राजू पुत्र सुंदरराव, आयु- 26 वर्ष, जाति -पीटीजीकोंडू, चर्चपास्टर, पेबमपल्ली (वी), अम्मावरीधर कोंडा 2) कोराबु वेंकटराव पुत्र येरेय्या, आयु- 22 वर्ष, जाति- बगथा, पेबमपल्ली (वी), अम्मावरीधरकोंडा, 3) मुरला लक्ष्मय पुत्र लक्ष्मण राव आयु- 18 वर्ष, जाति- बगथा, पेबमपल्ली (वी), अम्मावरीधरकोंडा, 4) मुरला रामाराव पुत्र गंगय्या, आयु- 27 वर्ष, जाति- बगथा, पेबमपल्ली (वी), अम्मावरीधरकोंडा को गिरफ्तार किया गया।

17/08/2021

उप निरीक्षक/जीडी भूपेन्द्र दहीमा के नेतृत्व में 234 बटालियन की टुकड़ी एवं राज्य पुलिस ने विशाखापत्तनम जिला के ममपा थानान्तर्गत ग्राम गोरीलागोंडी में सर्च अभियान के दौरान 02 मिलिशिया सदस्य क्रमशः नुतन राजू एवं त्रिनाथ को पकड़ा।

उड़ीसा

01/08/2021

बालंगिर जिला के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 01 सक्रिय माओवादी अइतु कोरसा उर्फ सुरजन उर्फ अमित ने 189 बटालियन के 010 पु0बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

एनईएस क्षेत्र

असम

14/07/2021

उप निरीक्षक/जीडी शमीम अहमद- 48 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों द्वारा राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम - आलोखरी, चौकी - पगहाट, पुलिस स्टेशन-तमारहाट, जिला - धुबरी में नाका लगाया गया। इस अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 01 संदिग्ध बक्कर अली मंडल पुत्र स्वर्गीय जलाउद्दीन मंडल, आयु- 30 वर्ष, गांव- मोलांदुबी, पीएस-काजीगांव, जिला- कोकराझार को पकड़ा और उसके पास से 01 देशी पिस्तौल 22 और 01 मोबाइल फोन बरामद किया। बरामद वस्तुओं के साथ उपरोक्त गिरफ्तार व्यक्ति को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया तथा थाना तमारहाट में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

21/07/2021

निरीक्षक/जीडी मुजीबुर रहमान -68 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने 18वीं गढ़वाल और राज्य पुलिस के साथ मिलकर बोरगुरी, माकुम बाईपास के पास, पुलिस स्टेशन - तनसुकिया, जिला - तिनसुकिया में नाका ड्यूटी को अंजाम दिया। ड्यूटी के दौरान, टुकड़ियों ने 03 संदिग्धों मजीद खान पुत्र एकराम खान, आयु -21 वर्ष, निवासी लाल बंगलो रोड, पुलिस स्टेशन और जिला -तनसुकिया (असम), चंदन कुमार साह पुत्र श्री शम्भु साह, आयु- 21 वर्ष, निवासी एटीसी मॉल, चिरवापट्टी, पुलिस स्टेशन और जिला तिनसुकिया (असम), कुंदन कुर्मी पुत्र स्वर्गीय पोक कुर्मी, आयु- 26 वर्ष, निवासी मनखुसी टीई, पुलिस स्टेशन- बोर्डुबी, जिला - तिनसुकिया (असम) नाम के संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 9 एमएम का पिस्टल- 01 नग, 9 एमएम का जिंदा गोला बारूद - 03 नग, 9 एमएम पिस्टल मैग - 01 नग बरामद किए गए। गिरफ्तार संदिग्धों के साथ-साथ सभी बरामद सामानों को राज्य पुलिस को सौंप दी गई।

24/07/2021

निरीक्षक/जीडी शिव दुलार सिंह यादव -10 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गांव: बेलगुरी पाथेर, पुलिस स्टेशन - मुशालपुर, जिला -बक्सा, प्रभुत्व स्थापित / तलाशी करने संबंधी ड्यूटी को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान, टुकड़ियों ने हीरक ज्योति डेका, निवासी बेलगुरी पाथेर, मशालपुर, बक्सा, असम नाम के 01 संदिग्ध को गिरफ्तार किया और उससे पिस्टल-01 नग, जिंदा गोली -02 नग और मैग-01 नग बरामद किया। बरामद सामान के साथ गिरफ्तार व्यक्ति को राज्य पुलिस को सौंपा गया।

प्रत्यावर्तन



संजय अरोड़ा, भा.पु.से.
विशेष महानिदेशक

सेवा निवृत्ति



के.एस. भंडारी,
अपर महानिदेशक



के.के. शर्मा,
महानिरीक्षक

कमांडेंट से उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति

क्र०सं०	इरला सं०	अधिकारी का नाम सर्वश्री
1.	3628	जयदेव केसरी
2.	3601	सुरेन्द्र चौधरी
3.	3560	देश राज
4.	3553	मिथलेश कुमार
5.	3596	राकेश कुमार सहाय
6.	3603	रवि गोपाल वर्मा

स्थानान्तरण

क्र०सं०	इरला सं०	अधिकारी का नाम सर्वश्री एवं पद	वर्तमान कार्यालय	तैनाती कार्यालय
1	2521	मूलचंद पंवार, महानिरीक्षक	सीआईएटी शिवपुरी	पश्चिमोत्तर से०
2	4052	दीपक शर्मा, उप महानिरीक्षक	त्रिपुरा सेक्टर मु०	म०प्र० सेक्टर मु०
3.	3401	आर० डुईडंग, उप महानिरीक्षक	रेंज इलाहाबाद	त्रिपुरा सेक्टर मु०
4.	3425	राधाकृष्णन नायर एस, उप महानिरीक्षक	पश्चिमी से० मु०	ग्रुप केन्द्र पल्लीपुरम
5	3626	धूप सिंह मान, उप महानिरीक्षक	महानिदेशालय	रेंज नई दिल्ली
6	3355	पर्वत कुमार झा, उप महानिरीक्षक	उमनि(परि) डोडा	पश्चिमी सेक्टर मु०
7	2678	काजर मल यादव, उप महानिरीक्षक	ग्रुप केन्द्र श्रीनगर	उमनि(परि) डोडा
8	3395	राम सिंह, उप महानिरीक्षक	म०नि०(कोबरा) (टेक मु०) खूँटी	ग्रुप केन्द्र श्रीनगर
9.	2798	वीरेन्द्र कुमार टोपो, उप महानिरीक्षक	ग्रुप केन्द्र पुणे	म०नि० कोबरा (टेक खूँटी)
10	3391	मदन कुमार, उप महानिरीक्षक	म०नि० कोबरा सेक्टर	ग्रुप केन्द्र इम्फाल
11	3363	शील निधि झा, उप महानिरीक्षक	म०नि० ओडिशा सेक्टर	मु०नि० झारखंड सेक्टर
12	3120	राजीव राय, उप महानिरीक्षक	रेंज जगदलपुर	ग्रुप केन्द्र भुवनेश्वर
13	2679	बिद्युत सेन गुप्ता, उप महानिरीक्षक	उ०म०नि०(परि) बोगाईगाँव	म०नि० प०बंगाल सेक्टर
14	2661	सीमा ढुंडिया, उप महानिरीक्षक	म०नि० प० बंगाल सेक्टर	म०नि० द्रुकाब सेक्टर
15	3564	डा० संजय कुमार, उप महानिरीक्षक	म०नि० द्रुकाब सेक्टर	ग्रुप केन्द्र भोपाल
16	3619	अनिल कुमार, उप महानिरीक्षक	म०नि० पूर्वोत्तर सेक्टर	रेंज गुवाहाटी
17	2816	मनोज ध्यानी, उप महानिरीक्षक	महानिदेशालय	म०नि० जम्मू सेक्टर
18	2808	नरेन्द्र कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक	म०नि० त्रिपुरा सेक्टर	महानिदेशालय
19	2841	विमल किशोर विष्ट, उप महानिरीक्षक	म०नि० देहरादून सेक्टर	रेंज मुजफ्फरपुर (टेक जम्मू)
20	11874	बिग्रे० (रि०) सुशील शर्मा, उप महानिरीक्षक	म०नि० झारखंड सेक्टर	म०नि० देहरादून सेक्टर
21	2266	वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक	महानिदेशालय	म०नि० झारखंड सेक्टर
22	3131	राजेश कुमार, उप महानिरीक्षक	सिंगनल रेंज कोलकाता	महानिदेशालय
23	3110	ए० श्रीनिवास, उप महानिरीक्षक	म०नि० दक्षिण सेक्टर	रेंज हैदराबाद
24	3111	देवेन्द्र सिंह रावत, उप महानिरीक्षक	रेंज पुणे	म०नि० दक्षिण सेक्टर
25	3371	अमित तनेजा, उप महानिरीक्षक	सीटीसी (टीएंडआईटी)	महानिदेशालय
26	3574	हरजिन्दर सिंह, उप महानिरीक्षक	महानिदेशालय	सीटीसी (टीएंडआईटी)
27	3114	रंदीप कुमार राणा, उप महानिरीक्षक	एनडीआरएफ से प्रत्यावर्तन	उ०म०नि०(परि) श्रीनगर
28	3628	जयदेव केसरी, उप महानिरीक्षक	प्रशि० महानिदेशालय	उ०म०नि०(परि)
29	3601	सुरेन्द्र चौधरी, उप महानिरीक्षक	ग्रुप केन्द्र अमेठी	रेंज चंदोली
30	3560	देश राज, उप महानिरीक्षक	185 बटा०	म०नि०(परि०) कश्मीर
31	3553	मिथलेश कुमार, उप महानिरीक्षक	139 बटा०	रेंज दिल्ली
32	3596	राजेश कुमार सहाय, उप महानिरीक्षक	02 सिगनल बटा०	सिंगनल रेंज कोलकाता
33	3603	रवि गोपाल वर्मा, उप महानिरीक्षक	म०नि० म०प्र० सेक्टर	रेंज रामपुर
34	2814	संजीव राय, उप महानिरीक्षक	म०नि० (परि) कश्मीर	रेंज इलाहाबाद
35	2494	दरबारा सिंह, उप महानिरीक्षक	द्रुकाब रेज-03 देहरादून	म०नि० पश्चिमोत्तर सेक्टर
36	3134	अनिल कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक	उ०म०नि०(परि०) महानिदेशालय	ग्रुप केन्द्र अजमेर-02
37	2804	डी०एल०गोला, उप महानिरीक्षक	म०नि० मध्य सेक्टर	रेंज पुणे
38	3392	पुखराज जयपाल, उप महानिरीक्षक	ग्रुप केन्द्र-दो अजमेर	म०नि० ओडिशा सेक्टर

महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र

जुलाई-अगस्त, 2021

क्र० सं०	इरला/बल सं०	पद	नाम	कार्यालय/बटालियन	अभ्युक्ति
1	6635	द्वि०क०अधि०	नरेन्द्र यादव	75 बटा०	प्रशंसनीय कार्य
2	7946	उप कमां	एन. एम. मारेनमाई	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
3	8886	सहा० कमां०	विनय कुमार	54 बटा०	कांस्य (परिचालन)
4	8844	सहा० कमां०	सतेन्द्र सिंह	21 बटा०	रजत (परिचालन)
5	9693	सहा० कमां०	लेंगजम चा रवि	72 बटा	कांस्य (परिचालन)
6	9653	सहा० कमां०	अमित कुमार	44 बटा०	सराहनीय कार्य
7	191320027	उप निरी०/जीडी	शमशेर सिंह यादव	132 बटा०	कांस्य (परिचालन)
8	185200727	उप निरी०/जीडी	भूपिन्दर शर्मा	21 बटा०	रजत (परिचालन)
9	195370019	उप निरी०/जीडी	शिवम चौहान	28 बटा०	कांस्य (परिचालन)
10	175300979	सि०/जीडी	संदीप	25 बटा०	रजत (परिचालन)
11	125031737	सि०/जीडी	पुगलेन्धी वी	35 बटा०	रजत (परिचालन)
12	175091937	सि०/जीडी	बिजय रे	54 बटा०	रजत (परिचालन)
13	65346737	सि०/जीडी	यूनिस अहमद डार	73 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 3 स्टार
14	115045327	सि०/जीडी	उमाकांता नाईक	73 बटा०	स्वर्ण (परिचालन)
15	175373096	सि०/जीडी	मौ. बसीम	82 बटा०	कांस्य (परिचालन)
16	185100108	सि०/जीडी	अमित कुमार रस्तौगी	115 बटा०	कांस्य (परिचालन)
17	65346595	सि०/जीडी	राणा जुल्फिकार अली	132 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 3 स्टार
18	125343062	सि०/जीडी	अलयास अहमद	054 बटा०	कांस्य (परिचालन)
19	155070017	सि०/जीडी	संजय सिंह	118 बटा०	कांस्य (परिचालन)
20	65340675	सि०/जीडी	कैसर अहमद शेख	117 बटा०	प्रशंसनीय कार्य
21	105201432	सि०/जीडी	रंजन कुमार	161 बटा०	प्रशंसनीय कार्य
22	क.पु.से..116195	उपाधीक्षक	मौ. उसमान	जम्मू कश्मीर पुलिस	स्वर्ण (परिचालन)
23	क.पु.से..127945	उपाधीक्षक	सुरिंदर	जम्मू कश्मीर पुलिस	स्वर्ण (परिचालन)
24	क.पु.से..185679	उपाधीक्षक	सुमित कुमार शर्मा	जम्मू कश्मीर पुलिस	कांस्य (परिचालन)
25	2517	महानिरीक्षक	राकेश कुमार यादव	प्रशि. महा.	स्वर्ण (प्रशासन) 1 स्टार
26	3118	उप महानिरीक्षक	राजेश कुमार यादव	प्रशि. महा.	स्वर्ण (प्रशासन)
27	3628	कमांडेण्ट	जयदेव केसरी	प्रशि. महा.	स्वर्ण (प्रशासन) 1 स्टार
28	10297	सहा. कमा.	नीतेश सिंह भदौरिया	115 बटा०	रजत (प्रशासन)
29	9779	सहा. कमा.	शंकर लाल जाट	आरटीसी नीमच	रजत (प्रशासन)
30	871171472	निरी./बैण्ड	शमशेर लाल	ग्रुप केन्द्र गोवहाटी	रजत (प्रशासन)
31	2496	महानिरीक्षक	संग्राम केसरी मोहनती	ओडिसा सेक्टर मुख्या.	रजत (परिचालन)
32	18430462	महानिरीक्षक	अश्विनी कुमार सिंह	बी.एस.एफ.	कांस्य (परिचालन)



33	2230	महानिरीक्षक	पी.के. सिंह	पश्चिमी बंगाल सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
34	2512	महानिरीक्षक	के.के. शर्मा	कोबरा सेक्टर	स्वर्ण (परिचालन)
35	2521	महानिरीक्षक	एस.सी. पंवार	सीटीसी शिवपुरी	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
36	4044	उप महा.	अलोक अवस्थी	आरएएफ सेक्टर	रजत (परिचालन)
37	3538	उप महा.	राजेन्द्र प्रसाद	रेंज जम्मू	रजत (परिचालन)
38	3622	उप महा.	प्रभाकर त्रिपाठी	गुप केन्द्र अमेठी	कांस्य (परिचालन)
39	3577	उप महा.	पंकज कुमार	उप महा. (परि.) मिदनापुर	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
40	2820	उप महा.	जे.पी.के. राय	पश्चिम बंगाल सेक्टर	स्वर्ण (परिचालन)
41	5188	द्वि.का.अ.	सुधांशु शेखर	184 बटा0	रजत (परिचालन)
42	9990	सहा. कमा.	एम. राजा	66 बटा0	कांस्य (परिचालन)
43	3365	उप महा.	प्रभाजन कुमार	रेंज सिलीगुड़ी	रजत (परिचालन)
44	3131	उप महा.	राजेश कुमार	उप महा. बेतार रेंज	कांस्य (परिचालन)
45	4007	कमांडेण्ट	विजय शंकर पाण्डेय	3वीं बेतार बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
46	4773	कमांडेट	समरेंद्रनाथ मंडल	167 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
47	4648	मु.चि.अ. (एसजी)	डा. सैकत बिस्वास	मुख्या. पश्चिम बंगाल सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
48	7863	उप कमा.	ज्योतिर्मय आचार्य	मुख्या. पश्चिम बंगाल सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
49	6935	उप कमा.	दिलीप मलिक	मुख्या. पश्चिम बंगाल सेक्टर	प्रशंसनीय कार्य
50	6926	उप कमा.	तनवीर जमाल	परिचालन मिदनापुर	स्वर्ण (परिचालन)
51	9108	सहा.कमा.	अजित कुमार	परिचालन मिदनापुर	स्वर्ण (परिचालन)
52	35103427	निरी / जीडी	शिवनाथ भगत	मुख्या. प.ब.से.	कांस्य (परिचालन)
53	4215	कमांडेण्ट	बी.ए.के. चौरसिया	169 बटा0	कांस्य (परिचालन)
54	4450	कमांडेण्ट	बी.आर.मीणा	184 बटा0	रजत (परिचालन)
55	5943	द्वि.क.अ.	यशपाल थापा	66 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
56	5807	द्वि.क.अ.	एस.के. गंगोपाध्याय	167 बटा0	रजत (परिचालन)
57	5488	द्वि.क.अ.	डी.ई. किंडो	218 बटा0	रजत (परिचालन)
58	5895	द्वि.क.अ.	जे.के. जोशी	11 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
59	5456	द्वि.क.अ.	मुन्ना सिंह	190 बटा0	रजत (परिचालन)
60	5341	द्वि.क.अ.	दीपक मणि त्रिपाठी	197 बटा0	कांस्य (परिचालन)
61	5425	द्वि.क.अ.	पी.एस.घोष	19 बटा0	कांस्य (परिचालन)
62	5524	द्वि.क.अ.	सुरेश कुमार	64 बटा0	रजत (परिचालन)
63	5343	द्वि.क.अ.	सुरेश कुमार	65 बटा0	रजत (परिचालन)
64	6316	द्वि.क.अ.	प्रमोद चौधरी	238 बटा0	रजत (परिचालन)
65	6538	द्वि.क.अ.	महेश विश्वकर्मा	112 बटा0	रजत (परिचालन)
66	6280	द्वि.क.अ.	हनुमान प्रसाद	133 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
67	5693	द्वि.क.अ.	बृजेश कुमार सिंह	22 बटा0	रजत (परिचालन)
68	6346	द्वि.क.अ.	विकास सिंह	60 बटा0	कांस्य (परिचालन)
69	6561	द्वि.क.अ.	मौली मोहन कुमार	127 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
70	5705	द्वि.क.अ.	नरेन्द्र सिंह	216 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)



71	6234	द्वि.क.अ.	ए.के. नाथ	55 बटा0	कांस्य (परिचालन)
72	5909	द्वि.क.अ.	अशोक कुमार यादव	122 बटा0	कांस्य (परिचालन)
73	5661	द्वि.क.अ.	नवीन चंद्र	89 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
74	6255	द्वि.क.अ.	संजय कुमार	200 बटा0	प्रशंसनीय कार्य
75	5292	द्वि.क.अ.	संजय कुमार शर्मा	51 बटा0	रजत (परिचालन)
76	5260	द्वि.क.अ.	मनोज कुमार सिकोन	148 बटा0	रजत (परिचालन)
77	6375	द्वि.क.अ.	एस.के. मिश्रा	95 बटा0	कांस्य (परिचालन)
78	6189	द्वि.क.अ.	जे.एस. चौहान	32 बटा0	रजत (परिचालन)
79	5345	द्वि.क.अ.	अनिल कुमार सिंह	120 बटा0	रजत (परिचालन)
80	5356	द्वि.क.अ.	जय सिंह	71 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
81	8024	द्वि.क.अ.	जीवराज सिंह शेखावत	191 बटा0	रजत (परिचालन)
82	5913	द्वि.क.अ.	जे.एस. माल	242 बटा0	कांस्य (परिचालन)
83	6331	द्वि.क.अ.	जे. सेलवा कुमार	198 बटा0	कांस्य (परिचालन)
84	5723	द्वि.क.अ.	ललन कुमार	215 बटा0	रजत (परिचालन)
85	5902	द्वि.क.अ.	राजेश कुमार	233 बटा0	कांस्य (परिचालन)
86	5196	द्वि.क.अ.	नवीन कुमार	138 बटा0	कांस्य (परिचालन)
87	5981	द्वि.क.अ.	अमित मिश्रा	186 बटा0	कांस्य (परिचालन)
88	5962	द्वि.क.अ.	सेंथील कुमार जी	42 बटा0	रजत (परिचालन)
89	5691	द्वि.क.अ.	विश्वदीप सिंह	247 बटा0	कांस्य (परिचालन)
90	5973	द्वि.क.अ.	सुनील कुमार पी.एस.	81 बटा0	रजत (परिचालन)
91	6600	द्वि.क.अ.	निगुडे अशोक दशरथ	188 बटा0	कांस्य (परिचालन)
92	6250	द्वि.क.अ.	श्रीमती जी. नागरजम	232 (महिला) बटा0	कांस्य (परिचालन)
93	4947	द्वि.क.अ.	विनोद कुमार	106 आरएएफ	कांस्य (परिचालन)
94	6559	द्वि.क.अ.	लोकेश महता	107 आरएएफ	स्वर्ण (परिचालन)
95	11321	द्वि.क.अ.	सुश्री सोनल वी मिश्रा	पूर्वोत्तर सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
96	3619	उप महा.	अनिल कुमार	पूर्वोत्तर सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
97	4971	कमांडेण्ट	बिनय छेत्री	128 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
98	3999	कमांडेण्ट	दिनेश सिंह	30 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
99	6370	मु.चि.अ.(एसजी)	डा. नीलांजन दास	सं.अ. गोवाहाटी	कांस्य (परिचालन)
100	5434	द्वि.क.अ.	एस. केनगू	रेंज गोवाहाटी	रजत (परिचालन)
101	7063	उप कमां.	नियाज अहमद	147 बटा0	कांस्य (परिचालन)
102	8485	उप कमां.	बीरेंद्र सिंह यादव	128 बटा0	कांस्य (परिचालन)
103	9775	सहा.कमा.	मौ. बसीम	136 बटा0	कांस्य (परिचालन)
104	10706	सहा.कमा.	के. संदीप नारायण	पूर्वोत्तर सेक्टर	कांस्य (परिचालन)
105	8854	सहा. कमा.	कौशल चौधरी	155 बटा0	रजत (परिचालन)
106	4446	कमांडेण्ट	एंटोनी जेनसन के.जे.	77 बटा0	कांस्य (परिचालन)
107	6290	द्वि.क.अ.	एम. प्रदीप जॉन	77 बटा0	कांस्य (परिचालन)
108	4983	कमांडेण्ट	पाल सिंह	परि. महा.	स्वर्ण (परिचालन)



109	7189	उप कमां.	सिद्धार्थ सिंह	75 बटा0	कांस्य (परिचालन)
110	8909	सहा.कमा.	आशीष राज	94 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
111	095042155	निरी./जीडी	महेश चंद्र गुर्जर	92 बटा0	कांस्य (परिचालन)
112	100210033	निरी./जीडी	मनीष भारद्वाज	49 बटा0	कांस्य (परिचालन)
113	065280111	सउनि/एम	प्रदीप कुमार	गु.के. जालंधर	कांस्य (परिचालन)
114	031340906	सउनि/एम	पंकज कुमार	गु.के. श्रीनगर	कांस्य (परिचालन)
115	125081958	हव0/जीडी	अर्जुन	237 बटा0	रजत (परिचालन)
116	065200945	सि0/जीडी	राजीव कुमार	129 बटा0	कांस्य (परिचालन)
117	175410979	सि0/जीडी	सलादी अप्पाराव	168 बटा0	कांस्य (परिचालन)
118	175272068	सि0/जीडी	किरण कुमार डी.टी.	168 बटा0	कांस्य (परिचालन)
119	115206856	सि0/जीडी	अमरेश कुमार	222 बटा0	कांस्य (परिचालन)
120	11234	सहा0 कमा0	आरिफ हुसैन	168 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
121	101113967	सि0/जीडी	पवन कुमार	168 बटा0	कांस्य (परिचालन)
122	11132	सहा0 कमा0	रविशंकर सिंह	133 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
123	065174536	निरी0/जीडी	गंगाधर स्वर्णकर	133 बटा0	कांस्य (परिचालन)
124	105170796	सि0/जीडी	संजय कुमार महतो	133 बटा0	कांस्य (परिचालन)
125	105173591	सि0/जीडी	रवि कुमार मंडी	133 बटा0	कांस्य (परिचालन)
126	115029662	सि0/जीडी	शिवानंद सहानी	133 बटा0	कांस्य (परिचालन)
127	115232241	सि0/बिगुलर	सुरेन्द्र कुमार	133 बटा0	कांस्य (परिचालन)
128	165030142	उप निरी./जीडी	अश्विनी कुमार	195 बटा0 (एसएसटी सीजी से संबद्ध)	रजत (परिचालन)
129	115141717	सि0/जीडी	डी. धनुंजया	204 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
130	172412643	सि0/जीडी	नीलाराम अटामी	241 बटा0 (एसएसटी, सीजी से संबद्ध)	कांस्य (परिचालन)
131	6342	द्वि.क.अ.	पिंटु यादव	209 कोबरा	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
132	7929	उप कमा.	विकी कुमार पाण्डेय	209 कोबरा	स्वर्ण (परिचालन)
133	11242	सहा0कमा0	जसप्रीत सिंह	209 कोबरा	स्वर्ण (परिचालन)
134	165030071	उप निरी0/जीडी	संजय सिंह	209 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
135	130350018	सि0/जीडी	युवराज कुमार	209 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
136	135316334	सि0/जीडी	अभिषेक दास	209 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
137	10321	सहा.कमा0	योगेन्द्र सिंह	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
138	115020671	उप निरी./जीडी	अवनीश चतुर्वेदी	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
139	085020399	उप निरी./जीडी	बृजेश विश्वकर्मा	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
140	145102487	सि0/जीडी	भावेश चंद्र नायक	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
141	111690379	सि0/जीडी	अजित कच्चवा	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
142	145231419	सि0/जीडी	दलीप कुमार	203 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
143	.	एसपी स्पेशल ब्रांच	सुश्री शिवानी तिवारी, भा.पु.से.	झारखण्ड पुलिस	कांस्य (परिचालन)
144	12021	महानिरीक्षक	डा. महेश्वर दयाल, भा.पु.से.	झारखण्ड सेक्टर	रजत (परिचालन)
145	4735	कमांडेण्ट	सुरजीत कुमार	178 बटा0	कांस्य (परिचालन)
146	10770	सहा0कमा0	तेज राम चौधरी	178 बटा0	कांस्य (परिचालन)



147	060060195	सि० / जीडी	रामेन दास	178 बटा०	कांस्य (परिचालन)
148	095260918	सि० / जीडी	दुबलीश कुमार	178 बटा०	कांस्य (परिचालन)
149	115021926	सि० / जीडी	अग्निवेश प्रताप शाही	178 बटा०	स्वर्ण (परिचालन)
150	125051881	सि० / जीडी	शिबीनदास टी.सी.	178 बटा०	रजत (परिचालन)
151	135381125	सि० / जीडी	इम्तियाज नसीर	178 बटा०	स्वर्ण (परिचालन)
152	125131705	सि० / जीडी	जर्नादन बोनाई	178 बटा०	कांस्य (परिचालन)
153	125051132	सि० / जीडी	विशु जी.एसं.	178 बटा०	रजत (परिचालन)
154	आईसी 69082 वाई	लेफ्टिनेंट कर्नल	राहुल जैन	34 आरआर	कांस्य (परिचालन)
155	11385	महानिरीक्षक	सुश्री चारु सिंहा	श्रीनगर सेक्टर	रजत (परिचालन)
156	5001	कमांडेण्ट	हरज्ञान सिंह गुर्जर	73 बटा०	रजत (परिचालन)
157	41658037	हव० / जीडी	डी.एस. भदौरिया	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
158	115027944	सि० / जीडी	संजय कुमार यादव	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
159	145121321	सि० / जीडी	मकवाना गुलशन	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
160	041698788	सि० / जीडी	एम. जया कुमार	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
161	065024677	सि० / जीडी	सुदामा कुमार राम	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
162	075210863	सि० / जीडी	रेले अमोल मनधरराव	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
163	105043688	सि० / जीडी	सुदम साहू	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
164	125184525	सि० / जीडी	राकेश कुमार	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
165	991170685	हव० / आरओ	सोनी कुमार	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
166	6603	द्वि.क.अ.	ओम प्रकाश तिवारी	54 बटा०	रजत (परिचालन)
167	8886	सहा.कमा.	विनय कुमार	54 बटा०	रजत (परिचालन)
168	9653	सहा. कमा.	अमित कुमार	44 बटा०	प्रशंसनीय कार्य
169	185120074	उप निरी० / जीडी	मुघातोवी	73 बटा०	कांस्य (परिचालन)
170	125300808	हव० / जीडी	सुभाष चन्द्र बगरिया	144 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
171	015172185	हव० / जीडी	पिंटू पासवान	21 बटा०	कांस्य (परिचालन)
172	145121678	सि० / जीडी	भम्मर वसुरभाई लखाभ	21 बटा०	स्वर्ण (परिचालन)
173	115132611	सि० / जीडी	विनय बारो	54 बटा०	स्वर्ण (परिचालन)
174	095182696	सि० / जीडी	जीतेन्द्र कुमार	43 बटा०	रजत (परिचालन)
175	065346737	सि० / जीडी	युनीस अहमद डार	73 बटा०	प्रशंसनीय कार्य
176	115310259	सि० / जीडी	कृष्णेंद्रु दत्ता	161 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
177	125231193	सि० / जीडी	रमण कुमार	61 बटा०	कांस्य (परिचालन)
178	175094732	सि० / जीडी	विद्युत बोरोह	115 बटा०	कांस्य (परिचालन)
179	115343247	सि० / जीडी	सजाद अहमद भट्ट	79 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 3 स्टार
180	115342883	सि० / जीडी	फेदा हुसैन डार	115 बटा०	स्वर्ण (परिचालन) 2 स्टार
181	175134002	सि० / जीडी	मुकुंद बोरोह	117 बटा०	कांस्य (परिचालन)
182	175083044	सि० / चालक	दुर्गेश	43 बटा०	कांस्य (परिचालन)
183	क.पु.से..045840	अधीक्षक	सज्जाद अहमद शाह	ज.क.पु.	कांस्य (परिचालन)
184	क.पु.से..995924	उपाधीक्षक	मोहन लाल शर्मा	ज.क.पु.	कांस्य (परिचालन)



185	एआरपी-995924	सउनि	फरोज अहमद	ज.क.पु.	कांस्य (परिचालन)
186	135028268	सि0 / जीडी	ओम प्रकाश सिंह	182 बटा0	कांस्य (परिचालन)
187	105036014	सि0 / जीडी	महेश एस	182 बटा0	कांस्य (परिचालन)
188	.	डॉग (स्त्री)	ओकी	182 बटा0	कांस्य (परिचालन)
189	10770	सहा.कमा.	तेजाराम चौधरी	178 बटा0	रजत (परिचालन)
190	111693753	सि0 / जीडी	कल्याण महता	178 बटा0	कांस्य (परिचालन)
191	125193266	सि0 / जीडी	राजु कुमार	178 बटा0	कांस्य (परिचालन)
192	4909	कमांडेण्ट	विशाल कण्डवाल	14 बटा0	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
193	8402	उप कमा.	ध्रुव नारायण	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
194	11725	सहा. कमा.	दीपक कुमार	14 बटा0	रजत (परिचालन)
195	041691603	सि0 / जीडी	आदेश कुमार	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
196	110723532	सि0 / जीडी	अखिलेश कुमार	14 बटा0	रजत (परिचालन)
197	115180286	सि0 / जीडी	मनीश कुमार	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
198	110550031	सि0 / जीडी	चंदन कुमार	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
199	115058288	सि0 / जीडी	विनोद कुमार	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
200	115139136	सि0 / जीडी	मृदुल राजबोंशी	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
201	120670029	सि0 / जीडी	करन सिंह	14 बटा0	कांस्य (परिचालन)
202	175080712	सि0 / जीडी	अजय कुमार	14 बटा0	रजत (परिचालन)
203	5297	द्वि.क.अ.	हरविंद सिंह	85 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
204	9473	सहा.कमा.	चंद्रभान सिंह	85 बटा0	रजत (परिचालन)
205	025160624	निरी0 / जीडी	थापा पीटर पॉल	85 बटा0	रजत (परिचालन)
206	175315737	सि0 / जीडी	अक्षय कुमार शाव	85 बटा0	कांस्य (परिचालन)
207	9767	सहा.कमा.	अबिद हसन	46 बटा0	रजत (परिचालन)
208	850794855	उप निरी0 / जीडी	मौ. हनीफ	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
209	891142289	सउनि / जीडी	भगवान प्रसाद कोहली	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
210	105341082	सि0 / जीडी	मनीर अहमद	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
211	065073348	सि0 / जीडी	सोहन लाल	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
212	075182005	सि0 / जीडी	रविंद्र कुमार	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
213	175204847	सि0 / जीडी	विक्रमादित्य कुमार	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
214	125380162	सि0 / जीडी	सोभालाल लोधी	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
215	145071511	सि0 / चालक	परविंदर सिंह	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
216	065170397	सि0 / जीडी	उमेश कुमार सिंह	46 बटा0	कांस्य (परिचालन)
217	7580	उप कमां.	त्रिभुवन प्रताप सिंह	परि. महा.	स्वर्ण (प्रशा.) 3 स्टार
218	11543	स.क./मंत्रा.	नीरज कुमार शर्मा	परि. महा.	स्वर्ण (प्रशा.) 2 स्टार
219	911540349	निरी0 / मंत्रा.	रमन कुमार	परि. महा.	स्वर्ण (प्रशा.)
220	75280033	सउनि / मंत्रा.	जगदीश प्रसाद शर्मा	परि. महा.	स्वर्ण (प्रशा.) 1 स्टार
221	115111631	सि0 / जीडी	अनिल कुमार	परि. महा.	स्वर्ण (प्रशा.) 1 स्टार
222	105260919	सि0 / जीडी	प्रताप सिंह सोलंकी	10 बटा0 (परि. महा. में संलग्न)	कांस्य (प्रशासन)



223	105091023	सि0 / चालक	जय राम	परि. महा.	कांस्य (प्रशासन)
224	097400065	निरी0 / जीडी	नरिंद्र सिंह	166 बटा0	कांस्य (प्रशासन)
225	971840025	उप निरी0 / मं.	अजय कुमार	कश्मीर परि. सेक्टर	कांस्य (प्रशासन)
226	आईसी-53567 एक्स	ब्रिग.	एच. वी. सिंह	उत्तरी कमान मुख्या.	कांस्य (प्रशासन)
227	आईसी-5006 एम	कर्न.	देवेन्द्र कृष्णा, एसएम	उत्तरी कमान मुख्या.	कांस्य (प्रशासन)
228	जेसी-671439 ए	उप	टी.आर. द्विवेदी	उत्तरी कमान मुख्या.	कांस्य (प्रशासन)
229	14850255एन	हवलदार	सुमन मित्रा	उत्तरी कमान मुख्या.	कांस्य (प्रशासन)
230	14849269एफ	हव0 (क्लर्क)	रुहुल अमीन मेहदी	525 एससी बटा0	स्वर्ण (प्रशासन)
231	आईसी-54477एच	कर्न.	एम.के. जैन	15 कोपर्स मुख्या0	स्वर्ण (प्रशासन)
232	14875613वाई	नायक	सद्दाम हुसैन पल्ला	15 कोपर्स मुख्या0	स्वर्ण (प्रशासन)
233	6632	द्वि.क.अ.	संजीव सिंह	180 बटा0	रजत (प्रशासन)
234	9218	सहा.कमा.	राम कुंवर जाट	180 बटा0	स्वर्ण (प्रशासन)
235	105082898	निरी0 / जीडी	बृजभान सिंह	180 बटा0	स्वर्ण (प्रशासन)
236	001392572	हव0 / जीडी	राजवीर शर्मा	180 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
237	115267188	सि0 / जीडी	राज इतौरिया	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
238	105067757	सि0 / जीडी	नरेन्द्र कुमार	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
239	175352828	सि0 / जीडी	नव ज्योति दास	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
240	175352784	सि0 / जीडी	अरिंदम तालुकदार	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
241	141800027	सि0 / जीडी	अंकित	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
242	7920	उप कमा.	सौरभ अवस्थी	महानिदेशालय	स्वर्ण (प्रशासन)
243	911321792	सउनि / जीडी	महेन्द्र कुमार पारीक	गु.के.-2 अजमेर (विधि महा. में संलग्न)	स्वर्ण (प्रशासन)
244	9547	सहा.कमा.	नीलेश पाण्डेय	के.के. सेक्टर मुख्या.	कांस्य (प्रशासन)
245	850872062	निरी / मंत्रा.	आर. चंद्रन	240 (म) बटा. (के.के. सेक्टर में संलग्न)	कांस्य (प्रशासन)
246	6673	उप कमा.	श्रीमती स्वेता राना	आरएफटी सुकमा	कांस्य (परिचालन)
247	4061	कमांडेण्ट	बिधन चंद्रा पात्रा	एसएसटी, सीजी सेक्टर	स्वर्ण (परिचालन)
248	015100922	निरी0 / जीडी	भुपल चक्रवर्ती	एसएसटी, सीजी सेक्टर	स्वर्ण (परिचालन) 1 स्टार
249	165030142	उप निरी / जीडी	अश्विनी कुमार	195 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
250	913131679	सउनि / जीडी	श्रीनिवासुलु	आरएफटी बीजापुर	स्वर्ण (परिचालन)
251	951131672	हव0 / जीडी	जी. उप्पालैह	217 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
252	172410408	सि0 / जीडी	गंगाराम	241 बटा0	रजत (परिचालन)
253	065269128	निरी0 / जीडी	नृपेन्द्र	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
254	145160032	उप निरी0 / जीडी	अगस्ता पंडित	98 बटा0	स्वर्ण (परिचालन)
255	015173805	हव0 / जीडी	सुरेन्द्र कुमार सिंह	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
256	175352926	सि. / जीडी	अरजीत चौधरी	180 बटा0	कांस्य (परिचालन)
257	एआरपी नं. 822292	सउनि	मौ. लतीफ	आईआरपी 11 बटा0, जेकेपी	कांस्य (परिचालन)



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा श्री के.एस. भंडारी, अपर महानिदेशक को सेवानिवृत्ति के अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल द्वारा श्री के.के. शर्मा, महानिरीक्षक को सेवानिवृत्ति के अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।



श्री कुलदीप सिंह, महानिदेशक, के.रि.पु.बल के प्रतिभावान बच्चों के साथ जिन्होंने वर्ष 2019-20 के दौरान 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।